'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र'

समाचार गेट

वर्ष 01, अंक 74 पृष्ठ 08 मूल्य 03 रूपए बुधवार, 29 मई 2024 TITLE CODE : HARHIN11569

चार जून को भाजपा प्रदेश की सभी 11 सीटें जीतकर फिर इतिहास रचेगी : मनोहर लाल

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की गुरुग्राम में प्रेस वार्ता

चार जून को भाजपा प्रदेश की सभी 11 सीटें जीतकर फिर इतिहास रचेगी : मनोहर लाल

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बौखलाई हुई नजर आई : मनोहर लाल

बोगस वोट कराने वाले कर्मचारियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

भाजपा 400 पार का आंकड़ा पूरा करेगी, नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे : मनोहर लाल

विपक्ष पर पूर्व सीएम का तंज - बोले, इंडी गठबंधन के हर नेता के मन में चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बनने की लार टपक रही है

नायब सरकार को कोई खतरा नहीं, हमारे पास पूर्ण बहुमत है : मनोहर लाल

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव नेशनल मुद्दों पर लड़ा है। उन्होंने कहा कि पंचकूला में हुई समीक्षा बैठक के बाद यह सामने आया है कि हरियाणा की 10 की 10 लोकसभा और करनाल विधानसभा सहित 11 कमल खिलने जा रहे हैं और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे चुनाव में कांग्रेस बौखलाई हुई नजर आई है जो कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण बनेगा। पूर्व सीएम मनोहर लाल मंगलवार को गुरुग्राम स्थित पार्टी कार्यालय गुरुकमल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। यहां पूर्व सीएम ने बोगस वोटों का मुद्दा भी उठाया। पूर्व सीएम ने उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की बात भी कही जिन्होंने आचार संहिता लागू होने के बावजूद लोगों को परेशान किया। इससे पहले मनोहर लाल ने बादशाहपुर से विधायक रहे राकेश दौलताबाद के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मुख्य प्रवक्ता जवाहर यादव, प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी आदि उपस्थित रहे।

मनोहर लाल ने कहा कि अब तक हुए छह चरणों के चुनाव में राजग 360 से 370 सीटें जीत चुका है। अब सातवें चरण का चुनाव पूरा होते ही हम 400 पार का आंकड़ा पार कर लेंगे और नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार का गठन होगा। मनोहर लाल ने कहा कि जनता जानती है कि देश का विकास कौन कर सकता है। 2014 में सरकार बनने के बाद देश और प्रदेश में भाजपा ने भ्रष्टाचार खत्म किया। दस वर्षों में हमारी सरकार ने युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों के हितों के लिए काम किया है।

मनोहर लाल ने कहा कि रोहतक, सिरसा के अलावा एक दो और अन्य जिलों में बोगस मतदान की बातें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि बोगस मतदान में अगर कोई कर्मचारी की संलिप्तता मिलती है तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। चुनाव में हुए मतदान पर बोलते हुए मनोहर लाल ने कहा कि इस बार युवाओं ने पुरानी परम्पराओं को तोड़कर अपनी मर्जी से मतदान किया है, क्योंकि युवा जानते हैं कि भाजपा ही देश का विकास करने में सक्षम है।

विपक्ष को निशाना पर लेते हुए पूर्व सीएम मनोहर लाल ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग कोई एक सर्वमान्य नेता तक नहीं चुन सके। विपक्ष में काफी मतभेद देखने को मिला है। इंडी गठबंधन में शामिल पार्टियां कहीं एक साथ मिलकर तो कहीं एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में शामिल हर नेता के मन में चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बनने की लार टपक रही है।

पूर्व सीएम मनोहर लाल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को लाभ पहुंचाया। आयुष्मान और चिरायु कार्ड योजना से गरीब लोगों को ईलाज के दौरान होने वाले खर्च की चिंता से मुक्त किया। भाजपा सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। महिलाओं को लखपति दीदी और ड्रोन की ट्रेनिंग देकर महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने का काम मोदी सरकार ने किया है।

कांग्रेस को घेरते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि कांग्रेस लोगों को राम जन्मभूमि के नाम से व धारा 370 हटाने के नाम पर डराती थी, कहती थी कि ऐसा किया तो खून की नदियां बह जाएंगी, लेकिन मोदी सरकार ने राम मंदिर बनाया, धारा 370 को हटाया और तीन तलाक को पीएम मोदी ने खत्म किया और किसी को खरोंच तक नहीं आई। पूर्व सीएम ने कहा कि कांग्रेस के लोग मुसलमान को वोट बैंक के रूप में मानती है। कांग्रेस ओबीसी का आरक्षण मुर्सलिमों को देना चाहती है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ऐसा नहीं होने देंगे।

पूर्व सीएम ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने झूठे वादे किए कि कांग्रेस सरकार बनी तो महिलाओं को एक लाख रुपये दिए जाएंगे। पूर्व सीएम ने कांग्रेस से सवाल पूछते हुए कहा कि 40 करोड़ लोगों को 100,000 रुपये कैसे दिए जाएंगे। ऐसा कोई प्लान तक उनके पास नहीं है। विपक्ष केवल झूठ की राजनीति कर रहा हैं।

एक पत्रकार के सवाल पर बोलते हुए मनोहर लाल ने कहा कि अग्निवीर योजना बेहतर योजना है इसमें युवा चार साल नौकरी करने के बाद जब घर आएगा तो काफी पैसे लेकर आएगा। उन पैसों से वह स्वरोजगार भी कर सकता है। इसके अलावा हमारी सरकार ने सभी युवाओं को सरकारी नौकरी देने की गारंटी दी है। उन्होंने कहा कि युवा अग्निवीर योजना के तहत आर्मी में जाएंगे तो देश के साथ युवाओं और समाज का भी भला होगा।

पूर्व सीएम ने कहा कि वोटिंग प्रतिशत पिछले चुनाव की अपेक्षा इस बार 4 प्रतिशत कम हुई। चुनावी आकलन करने वालों ने इसे भाजपा के पक्ष में बताया है। 4 जून को जनता के सामने रिजल्ट होगा। उन्होंने कहा कि इस बार जनता ने जातिगत बैरियर से ऊपर उठकर वोट किया है। रोहतक और सिरसा में हमारा जीत का मार्जिन कम रहेगा, लेकिन भाजपा सभी 10 की 10 सीटें जीत रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नायब सरकार के पास पूरा बहुमत है। 4 जून को 41 विधायक हो जाएंगे। जेजेपी के दो विधायक हमारे साथ हैं। 88 में से 45 विधायक हमारे पास हैं। हमारी सरकार बहुमत में है। 2 जेजेपी, एक हिलोपा, तीन निर्दलीय विधायक हमारे पास है। हमारी सरकार को कोई खतरा नहीं है। प्रदेश में भाजपा सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

इस मौके पर, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुंदरी खत्री, जिला मीडिया प्रमुख डा. गजेंद्र गुप्ता, सह मीडिया प्रमुख राकेश राणा, कार्यालय सचिव यादराम जोया, सह सचिव ओम प्रकाश ठाकरान, जयवीर यादव, प्रियवर्त कटारिया, धनराज बंसल आदि उपस्थित रहे।

राकेश दौलताबाद के घर पहुंचकर शोक-संतप्त परिवार को पूर्व मुख्यमंत्री ने बंधाया ढांढस

राकेश एक कुशल युवा नेतृत्वकर्ता के रूप में सदैव हमारी स्मृति में जीवंत रहेंगे : मनोहर लाल

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद के निधन पर शोक जताने उनके निवास पर पहुंचे। यहां मनोहर लाल ने स्व. राकेश दौलताबाद को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाया। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना भी की। मनोहर लाल ने कहा कि राकेश दौलताबाद एक संघर्षशील युवा नेता थे, जो समाज के लिए समर्पित थे। उन्होंने कहा कि राकेश एक कुशल युवा नेतृत्वकर्ता के रूप में वे सदैव हमारी स्मृति में जीवंत रहेंगे।

हार की बौखलाहट से झूठ बोल रहे हैं मनोहर लाल : बत्रा

चुनाव मे अनैतिकता की तमाम हदें पार करने वाली भाजपा उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत कह रही है : बत्रा

मतदाताओं को डराने, धमकाने और धनबल प्रयोग और प्रशासनिक हस्तक्षेप जैसी तमाम हरकतें भाजपा ने रोहतक में की : बत्रा

प्रशासन और चुनाव आयोग को 600 से ज्यादा शिकायत की कांग्रेस ने एक पर भी नहीं हुई कार्रवाई: बत्रा

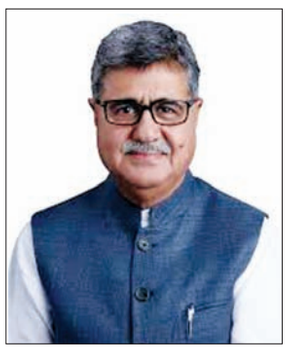

समाचार गेट ब्यूरो

रोहतक। कांग्रेस विधायक दल के चीफ व्हीप भारत भूषण बतरा ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा आज लगाए गए आरोपों की निंदा करते हुए कहा कि वे अपने कृत्य छुपाने के लिए,हार की बौखलाहट में स्पष्ट झूठ बोल रहे हैं! बत्रा ने कहा के चुनाव के दिन भाजपा प्रत्याशी स्वयं काफिला लेकर निकले,बूथों मैं दाखिल हुए और मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की!

गुरुग्राम में आज पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा की गई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कांग्रेस पर जो आरोप लगाए गए बत्रा ने उनकी कड़ी निंदा की है! उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पूरी मर्यादा के साथ चुनाव आयोग द्वारा निर्देशित दिशा निर्देशों का पालन करते हुए और भाजपा की तमाम गंदगी को नजरअंदाज करते हुए चुनाव को लड़ा है! विधायक भारत भूषण बतरा ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान भाजपा ने जात-पात का जहर घोलने की कोशिश की, लगातार मतदाताओं को धमकाया गया, विश्वविद्यालय तक में शिक्षकों को डराया गया, चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा शराब और पैसा तक बांटने की शिकायतें तक विभिन्न जगह से प्राप्त हुई,! भाजपा द्वारा चुनाव प्रचार के नाम पर चुनाव आयोग के तमाम नियमों का उल्लंघन किया गया! रोड शो के नाम पर पूरे शहर के सरकारी संस्थान तक पर भाजपा के पोस्टर और झंडे लगाए गए! इतना ही नहीं मतदान के दिन भी भाजपा के पदाधिकारी और स्थानीय नेता द्वारा नियमों की खुली धज्जियां उड़ाई गई! भाजपा के प्रत्याशी डॉक्टर अरविंद शर्मा और एक पूर्व मंत्री अलग अलग क़ाफ़िलो मे बाकायदा विभिन्न बूथों पर मतदाताओं को प्रभावित करते नजर आए! भाजपा कार्यकर्ताओं और पहलवानो के साथ वें बूथों के अंदर दाखिल हुए और मतदाताओं को प्रभावित किया! इन काफिलों में कई गाडियां बिना नंबरों की थी! बत्रा ने कहा की उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत स्थानीय प्रशासन को उसी समय की!

विधायक ने कहा कि अनैतिकता का जो नंगा नाच भाजपा ने रोहतक लोकसभा क्षेत्र में किया है उसकी 600 से ज्यादा शिकायत रोहतक प्रशासन और चुनाव आयोग को लिखित में की गई, लेकिन एक भी शिकायत पर कोई भी करवाही अब तक नहीं हुई! उन्होंने कहा कि चुनाव मे हार के डर से धनबल और अनैतिकता के दम पर चुनावी मैदान में उतरी भाजपा अपना सुपड़ा साफ होते देखा बोखलाई हुई है! पिछले दो दिन से जनता द्वारा नकार दिए गए रोहतक के कुछ भाजपा नेता और अब पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल अपनी नाकामी छुपाने के लिए कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं, यह तमाम आरोप निराधार हैं! बत्रा ने कहा कि इस चुनाव मे जनता ने भाजपा को आइना दिखा दिया है! चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा इस चुनाव के साथ ही हरियाणा के सबसे जनसेवक सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं! हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आती देख भाजपा नेताओं की नींद उड़ गई है और इसीलिए सभी भाजपा नेता प्रदेश में घूम-घूम कर चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा और चौधरी दीपेंद्र हुड्डा पर निशाना साध रहे हैं!

दीपेंद्र सिंह हुड्डा, चौधरी उदय भान एवं राज बब्बर ने राकेश दौलताबाद के निधन पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर किया शोक व्यक्त

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम, 28 मई। आज हरियाणा से कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद चौधरी दीपेंद्र सिंह हुड्डा,हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदय भान एवं गुड़गांव से इंडिया गठबंधन कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी राज बब्बर ने बादशाहपुर से निर्दलय विधायक एवं समाज सेवी राकेश दौलताबाद के आक्समिक निधन पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर गहरा शोक व्यक्त किया। हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद चौधरी दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा की राकेश दौलताबाद जी के निधन से शहर एवं समाज को जो भारी क्षति हुई है उसकी भरपाई करना नामुमकिन है राकेश दौलताबाद जी विधायक के साथ साथ एक बहुत प्रमुख समाज सेवी भी थे इस दुख की घड़ी में हम श्री राकेश जी के परिवार के साथ हमेशा खड़े है।

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने शोक व्यक्त करते हुए कहा की ईश्वर की मर्जी के आगे किसी की नही चलती। मृत्यु मनुष्य जीवन का अंतिम एवं अटल सत्य है मनुष्य का शरीर नश्वर है मनुष्य का शरीर अपना समय चक्र पूर्ण कर पंचतत्व में विलीन हो जाता है लेकिन मनुष्य की आत्मा अमर है गुड़गांव से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राज बब्बर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा की जब परिवार से कोई सदस्य हमेशा के लिए परिवार को छोड़ कर चला जाता है तो परिवार वालो पर जो दुखों का पहाड़ टूटता है उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। हम बस भगवान से यही प्रार्थना करते है भगवान दिवंगत आत्मा को शांति एवं अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करे एवं परिवार वालो को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। शहर एवं समाज से आए अनेक गणमान्य लोगों ने भी शोक व्यक्त करने के साथ दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

राकेश दौलताबाद जी का निधन 45 वर्ष की आयु में दिनांक 25/5/2024 शनिवार को सुबह 10.30 बजे हृदय गति रुकने से हो गया था। इसके पश्चात हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदय भान एवं गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी राज बब्बर ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ दिग्गज नेता एवं कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज जी की ताई जी एवं समाज सेवी मनीष शर्मा जी की पूजनीय माता जी श्री मति राजरानी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री बाबूराम जी निधन पर शोक व्यक्त करने उनके निवास स्थान पर पहुंचे एवं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जितेंद्र कुमार भारद्वाज जी की ताई एवं मनीष शर्मा जी की माता जी श्री मति राजरानी जी का दिनांक 18/5/2024/ को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

दिव्यांशु बुद्धि राजा, वीरेंद्र यादव बिल्लू, पंकज डावर, सचिन कुंडू , जसविंदर बिसला, वर्धन यादव , राहुल राव, मनीष खटाना, सतपाल जांघू , आशीष यादव, नरेश सहरावत , महेश घोड़ारोप , पूर्व विधायक रामवीर,पूर्व विधायक रईसा खान सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भी राकेश दौलताबाद के निधन पर शोक व्यक्त कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा का बयान

नायब सरकार ने प्राइवेट स्कूल संचालकों के सामने घुटने टेके : अनुराग ढांडा

भीषण गर्मी में भी बच्चे स्कूल जाने को मजबूर: अनुराग ढांडा

कई जिलों में सुचारू रूप से खुले हैं प्राइवेट स्कूल: अनुराग ढांडा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी को लेकर नायब सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी नौतपा में तापमान 45 डिग्री से पार हो चुका है। इसके बावजूद भी कई जिलों में प्राइवेट स्कूल मनमानी कर रहे हैं। चरखी दादरी, कैथल, सोनीपत, फरीदाबाद और जींद समेत कई जिलों में स्कूल संचालक मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में भी कई जिलों में प्राइवेट स्कूल संचालक नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। गर्मी के कारण जहां स्कूलों को छुट्टियां करने के आदेश दिए जा चुके हैं, फिर भी स्कूल संचालक मनमानी कर रहे हैं और बच्चों को जबरन स्कूलों में बुला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। इसका असर सड़कों पर भी दिख रहा है। सुबह 8 बजते ही तेज धूप का एहसास होने लगता है। दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। इससे नायब सरकार की विफलता का भी पता चलता है कि हरियाणा के कई जिलों में प्राइवेट स्कूलों में नन्हे बच्चों की पढ़ाई जारी है। नन्हे-नन्हे बच्चे को स्कूल से घर तक आने जाने में तेज धूप के कारण काफी परेशानी होती है। जिस कारण बच्चों को बुखार और उल्टी दस्त जैसी बीमारी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा इस कारण बच्चे भी भीषण गर्मी में स्कूल जाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि नायब सरकार को ऐसे स्कूलों के प्रति कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। स्कूलों की मनमानी के कारण के बच्चे लगातार स्कूलों में जा रहे हैं, जबकि कई स्कूलों ने केवल 31 मई तक छुट्टियां की है। उन्होंने कहा कि 30 जून तक स्कूलों की छुट्टियां कर देनी चाहिए, ताकि कोई अनहोनी ना हो।

भीषण गर्मी से राहत दिलाने में नगर निगम लगातार कर रहा पानी का छिड़काव

एसटीपी शोधित पानी के छिडक़ाव के लिए विभिन्न सडक़ों पर टैंकर लगातार कार्य में जुटे

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। प्रतिदिन पड़ रही भीषण गर्मी से शहरवासियों को राहत दिलाने की दिशा में नगर निगम गुरुग्राम लगातार कार्य कर रहा है। इसके तहत विभिन्न सडक़ों पर टैंकरों के माध्यम से सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट के शोधित पानी का छिडक़ाव लगातार किया जा रहा है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ द्वारा जारी निर्देशों की पालना में नगर निगम की बागवानी शाखा के अधिकारी व कर्मचारी क्षेत्र में पानी का छिडक़ाव करने के लिए लगातार जुटे हुए हैं तथा प्रतिदिन टैंकरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। कार्यकारी अभियंता (बागवानी) मनोज कुमार के अनुसार बुधवार से टैंकरों की संख्या में और अधिक बढ़ौतरी कर दी जाएगी तथा 3 एंटी स्मॉग गन भी क्षेत्र की सडक़ों पर पानी का छिडक़ाव करने के लिए लगा दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि बुधवार को उनकी टीम द्वारा न्यू कॉलोनी मोड़ से पटौदी चौक, सिविल लाईंस, राजीव चौक से चार सात चौक, न्यू रोड़, पटौदी चौक से कादीपुर, पटौदी चौक से बसई चौक, ओल्ड दिल्ली रोड़, एमजी रोड़ सहित अन्य सडक़ों पर पानी का छिडक़ाव किया गया। ज्ञात हो कि जब जमीन पर पानी का छिडक़ाव किया जाता है, तो यह वाष्पित होता है और ठंडा प्रभाव छोड़ता है। इसके अलावा, पानी के छिडक़ाव से तापमान में कमी आने के साथ ही प्रदूषण में सुधार लाने में भी मदद मिलती है।

जानकारों के अनुसार लोग गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेटेड रखें क्योंकि गर्मी में पसीना अधिक निकलता है, जिससे शरीर में पानी का कमी हो जाती है। लोग अधिक से अधिक पानी और शीतल पेय पदार्थों का सेवन करें तथा बिना किसी कारण के दोपहर में बाहर ना घूमें। अगर किसी काम से बाहर जाना भी है, तो खुद को अच्छे से कवर करके ही बाहर जाएं।

यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए टीम वर्क के रूप में कार्य करें अधिकारी : एडीसी

जिलास्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

डीसीपी ट्रैफिक ने अधिकारियों को खराब सडक़ों व ट्रैफिक जाम के बिंदु बताए

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। लघु सचिवालय के आसपास और विकास सदन के सामने जर्जर सडक़ों की दशा को सुधारने और इनको सुंदर बनाने का कार्य दो-तीन सप्ताह बाद शुरू किया जाए। सडक़ सुरक्षा समिति की जिलास्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी हितेश कुमार मीणा ने आज जीएमडीए अधिकारियों को ये निर्देश जारी किए। इस अवसर पर गुरूग्राम के डीसीपी ट्रैफिक विरेंद्र विज भी उपस्थित रहे। एडीसी ने कहा कि गुरूग्राम जिला की सडक़ों को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जीएमडीए, बीएंडआर, एनएचएआई, एमसीजी आदि विभागों के अधिकारी एक टीम वर्क के रूप में कार्य करें। यातायात सुरक्षा के लिए अधिकारियों को आपस में समन्वय बना कर रखना होगा, ताकि जनसमस्याओं को निराकरण किया जा सके। एडीसी ने एमसीजी अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजीव चौक, गुरूद्वारा रोड आदि शहर की सडक़ों पर सफाई व्यवस्था दुरूस्त रहनी चाहिए।

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि गुरूग्राम शहर में बड़े अस्पतालों के आसपास मुख्य सडक़ों पर यातायात सुरक्षा के साइनबोर्ड लगाए जाने चाहिए। आरटीए सचिव इस मामले में शीघ्र कार्यवाही करे। शहर के राजकीय विद्यालयों के आसपास बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के आवागमन को देखते हुए यहां फुटपाथ, जेब्रा क्रासिंग, ट्रैफिक लाईट आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर के मुख्य चौराहों के आसपास अतिक्रमण हटाए जाएं। सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी किए जाने चाहिए।

डीसीपी विरेंद्र विज ने कहा कि रामपुरा फलाईओवर के समीप सडक़ को और चौड़ा किया जाए, जिससे कि दो वाहन आसानी से गुजर सकें। एनएचएआई अधिकारियों को यहां यातायात सुधार के लिए वाहन चालकों की सुविधा का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओवरलोड वाहनों को रोकने के लिए एनएचएआई उनके चालान शुरू करे। इन वाहनों में ओवरलोड की सूचना टोल पर ही मशीन से मिल जाती है। इन्हें वहीं रोक कर चालान काटे जाएं। बैठक में गुरूग्राम शहर के विभिन्न स्थानों पर ट्रैफिक जाम की समस्या और सडक़ सुधार के कार्यों के बारे में चर्चा की गई। इस अवसर पर एसीयूटी अनिरूद्ध यादव, एसडीएम रविंद्र कुमार, पटौदी के एसडीएम होशियार सिंह, आरटीए सचिव गजेंद्र सिंह, एसीपी विकास कुमार, जीएमडीए, एमसीजी व एनएचएआई, ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

डोमेस्टिक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए ताकि नागरिकों को उड़ान सेवा का लाभ मिल सके : अनिल विज

पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने आज शाम अम्बाला एयरफोर्स स्टेशन के निकट सिविल एन्कलेव (डोमेस्टिक एयरपोर्ट) के निर्माण कार्य के निरीक्षण किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अम्बाला से उड़ान सेवा को जल्द प्रारंभ करने की घोषणा गत दिनों अम्बाला में आयोजित रैली में की थी

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा अम्बाला छावनी से विधायक श्री अनिल विज ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अम्बाला छावनी में सिविल एन्कलेव (डोमेस्टिक एयरपोर्ट) निर्माण कार्य को जल्द पूरा किया जाए ताकि नागरिकों को अम्बाला से जल्द उड़ान सेवा का लाभ मिल सके। श्री विज आज शाम अंबाला में अम्बाला एयरफोर्स स्टेशन के निकट सिविल एन्कलेव (डोमेस्टिक एयरपोर्ट) के निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गत दिनों अम्बाला रैली में आए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मंच से घोषणा की थी कि अम्बाला से उड़ान सेवा को जल्द प्रारंभ किया जाएगा, इसलिए अधिकारी निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करें। उन्होंने डोमेस्टिक एयरपोर्ट में हार्टिकल्चर (बागवानी) कार्य को जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एंट्रेस एवं आसपास क्षेत्र खूबसूरत दिखे इसलिए यहां हार्टिकल्चर के कार्य को शुरू किया जाए।

पूर्व मंत्री अनिल विज ने एयरपोर्ट में यात्रियों के आने-जाने के मार्गों की जानकारी ली, साथ ही यात्रियों के चेक-इन करने के दौरान बैठने एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने वाहनों की पार्किंग सुविधा, एयरपोर्ट में बिजली की आपूर्ति के लिए क्या-क्या प्रबंध है इसकी जानकारी ली। यात्रियों को एयरपोर्ट से अंदर किस स्थान से ले जाया जाएगा उन्होंने इस बारे भी जानकारी ली। एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल, यहां पर स्ट्रीट लाइट एवं अन्य क्या-क्या व्यवस्थाएं होगी इसको लेकर उन्होंने चर्चा की। उन्होंने एंट्रेंस एरिया, पार्किंग, कैंटीन, मुख्य टर्मिनल सहित अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने पूर्व गृह मंत्री अनिल विज को बताया कि टर्मिनल में काफी कार्य कर लिया गया है और जून के अंत तक निर्माण कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

पूर्व मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला को मिला उड़ान योजना का लाभ

गौरतलब है कि पूर्व गृह मंत्री अनिल विज के अथह प्रयासों से अम्बाला में भारत सरकार की आरसीएस (रिजनल कनेक्टिविटी स्कीम) उड़ान योजना के तहत अम्बाला छावनी में सिविल एन्कलेव डोमेस्टिक एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है जिसका नागरिकों को लाभ मिलेगा। अम्बाला एयरफोर्स स्टेशन के ठीक साथ 20 एकड़ भूमि निर्माण के लिए रक्षा मंत्रालय से सिविल एविएशन विभाग को दी गई थी। हरियाणा सरकार की ओर से 20 एकड़ भूमि के बदले रक्षा मंत्रालय को 133 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे।

उड़ान सेवा का लाभ हरियाणा सहित आसपास राज्यों को भी मिलेगा

करीब साढ़े 16 करोड़ रुपए की लागत से डोमेस्टिक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जहां से यात्री चेक-इन एवं चेक-आउट कर सकेंगे। विमान के टेक-ऑफ एवं लैंडिंग के लिए अम्बाला एयरफोर्स स्टेशन की हवाई पट्टी का इस्तेमाल होगा। अम्बाला में बन रहे इस घरेलू हवाई अड्डे का फायदा हरियाणा के साथ लगते हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के यात्री भी ले सकेंगे, जिन्हें यहां से अलग-अलग शहरों के लिए विमान सेवा मिलेगी। इससे पहले बीते वर्ष 15 अक्टूबर, 2023 को अम्बाला छावनी में एयरपोर्ट के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया था।

विदेशी नौकरी पर ठगी व मानव तस्करी के मामले में बॉबी कटारिया गिरफ्तार

विदेश में नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर करता था ठगी

विदेश भेजकर पीड़ितों को साईबर ठगी करने के लिए किया जाता मजबूर

कब्जा से 20 लाख नगद 04 मोबाईल व सम्बनधित कागजात बरामद।

पुलिस हिरासत रिमांड पर लेकर अन्य वारदातों के संदर्भ में की जाएगी पूछताछ

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। सोमवार को एक व्यक्ति ने थाना बजघेड़ा में लिखित शिकायत के माध्यम से बतलाया कि इन्होंने बॉबी कटारिया नामक व्यक्ति के इंस्टाग्राम तथा यूट्यूब चैनल पर विदेश में नौकरी दिलाने का विज्ञापन देखकर दिए गए नंबर पर संपर्क किया तो गुरुग्राम में आने को कहा। इन्होंने भी बॉबी कटारिया को सोशल मीडिया पर कई बार देखा था, जिससे इनको बॉबी कटारिया पर भरोसा हो गया। बॉबी कटारिया ने इनसे पैसे लेकर दिनांक 28 मार्च 2024 को इसे व इसके दोस्त को अपने एजेंट के माध्यम से फ्लाईट से वैनटाइन लॉस भेज दिया। एयरपोर्ट पर उतरे वहां पर कटारिया का एजेंट इन्हें बेनाम चाइनीस कंपनी में ले गए तथा इनके साथ मारपीट करके इनका पासपोर्ट छीन लिया। उन लोगों ने इनको वहां पर अन्य लोगों के साथ साईबर फ्रॉड करने के लिए मजबूर किया गया तथा यह काम नहीं करने पर जान से मार देने व पासपोर्ट फाड़ देने की धमकी दी।

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक ये दोनों 02 दिन बाद मौका पाकर वहां वहां से भाग गए तथा ईंडियन एंबेसी के माध्यम से वापस लौट आए। वहां पर बहुत से भारतीयों को ऐसे ही बंधक बनाकर रखा हुआ है। जब इन्होंने यहां पहुंचकर बॉबी कटारिया से अपने रुपए वापस मांगे तो उसने कहा कि वह तो इसी तरह से रुपए लेता है जो करना है कर लो। उपरोक्त शिकायत के आधार पर थाना बजघेड़ा, गुरुग्राम में आईपीसी तथा इमीग्रेशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत अभियोग अंकित किया गया। गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा सैक्टर-10, थाना बजघेड़ा पुलिस और एनआईए की टीमों द्वारा उपरोक्त अभियोग में संयुक्त कार्यवाही की गई।

उक्त टीमों ने सँयुक्त कार्यवाही करते हुए उपरोक्त अभियोग में आरोपी को काबू करने के लिए आरोपी के विभिन्न ठिकानों पर रेड की गई, जिसके परिणामस्वरूप उप-निरीक्षक प्रमोद कुमार, इंचार्ज अपराध शाखा सैक्टर-10, गुरुग्राम की पुलिस टीम द्वारा सोमवार को आरोपी बलवंत उर्फ बॉबी कटारिया निवासी बसई, गुरुग्राम (उम्र-38 वर्ष) के ऑफिस एमबीके ग्लोबल कंसलटेंसी कासेंट वन मॉल सैक्टर-109, गुरुग्राम से काबू करके अभियोग में नियमानुसार गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की।

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जा से 20 लाख रुपए की नगदी, 04 मोबाईल फोन्स व सम्बनधित कागजात भी बरामद किए। आरोपी से एनआईए के अधिकारियों द्वारा पूछताछ की गई तथा गहनतापूर्वक करने के लिए पुलिस टीम द्वारा आरोपी को अदालत के सम्मुख पेश करके पुलिस हिरासत रिमाण्ड पर लिया जाएगा, पुलिस पूछताछ में जो भी तथ्य समक्ष आएंगे उनके अनुसार नियमानुसार आगामी कार्यवाही को जाएगी।

हरियाणा ने प्रशासनिक सचिवों से मांगी संविधान-पूर्व कानूनों की प्रासंगिकता के बारे में टिप्पणियां

केन्द्र सरकार द्वारा की जानी है 52 केंद्रीय अधिनियमों की समीक्षा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़, 28 मई। हरियाणा सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों व निगमों के प्रबंध निदेशकों तथा प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार को सभी संविधान-पूर्व कानूनों या अधिनियमों की वर्तमान समय में उपयुक्तता और प्रासंगिकता के सम्बन्ध में एक सप्ताह के अंदर अपेक्षित टिप्पणियां या विचार प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्री टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग से प्राप्त एक अर्ध-सरकारी पत्र के अनुसार केन्द्र सरकार द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में सभी संविधान-पूर्व कानूनों की उपयुक्तता और प्रासंगिकता के अनुसार जांच की जानी है। केन्द्र सरकार द्वारा संविधान-पूर्व अधिनियमों सहित ऐसे 52 केंद्रीय अधिनियमों की एक सूची भी भेजी गई है। इस संदर्भ में आवश्यकतानुसार, ऐसे कानूनों को निरस्त करने या पुन: अधिनियमित करने के लिए राज्य सरकार की टिप्पणियां या विचार मांगे गए हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा भेजी गई सूची के अुनसार जिन अधिनियमों की समीक्षा की जानी है, उनमें विधिक प्रतिनिधि वाद अधिनियम, 1855 (1855 का 12), घातक दुर्घटनाएं अधिनियम, 1855 (1855 का 13), धार्मिक बंदोबस्त अधिनियम, 1863 (1863 का 20), तलाक अधिनियम, 1869 (1869 का 4), भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 (1872 का 1), भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 (1872 का 9), भारतीय ईसाई विवाह अधिनियम, 1872 (1872 का 15), विवाहित महिला संपत्ति अधिनियम, 1874 (1874 का 3), बहुसंख्यक अधिनियम, 1875 (1875 का 9), रिलीजियस सोसाइटी एक्ट, 1880 (1880 का 1), काजी अधिनियम, 1880 (1880 का 12), भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2 का), संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 (1882 का 4), वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1887 (1887 का 7), भारतीय सुखाचार अधिनियम, 1882 (1882 का 5), पावर ऑफ अटॉर्नी एक्ट, 1882 (1882 का 7), धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1890 (1890 का 6), गार्डियन एंड वार्ड एक्ट, 1890 (1890 का 8), विभाजन अधिनियम, 1893 (1893 का 4), सामान्य धाराएं अधिनियम, 1897 (1897 का 10), दिवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5),

आनंद विवाह अधिनियम, 1909 (1909 का 7), अधिकारिक न्यासी अधिनियम, 1913 (1913 का 2), हिंदू संपर्तत निपटान अधिनियम, 1916 (1916 का 15), धर्मार्थ और धार्मिक न्यास अधिनियम, 1920 (1920 का 14), भरण-पोषण आदेश प्रवर्तन अधिनियम, 1921 (1921 का 18), सिख गुरुद्वारा (पूरक) अधिनियम, 1925 (1925 का 24), भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39), वस्तु विक्रय अधिनियम, 1930 (1930 का 3), हिंदू शिक्षण लाभ अधिनियम, 1930 (1930 का 30), पारसी विवाह और तलाक अधिनियम, 1936 (1936 का 3), आर्य विवाह मान्यता अधिनियम, 1937 (1937 का 19), मुर्सलिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 (1937 का 26), कच्छी मेमन अधिनियम, 1938 (1938 का 10), मुर्सलिम विवाह विच्छेद अधिनियम, 1939 (1939 का 8), वाणिजयिक दस्तावेज साक्ष्य अधिनियम, 1939 (1939 का 30), दी डिप्लोमेटिक एंड कांसुलर ऑफिसर (ओथ एंड फीस) एक्ट, 1948 (1948 का 41), विशेष विवाह अधिनियम, 1954 (1954 का 3), हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 (1955 का 25), हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 (1956 का 30), हिंदू अल्पसंख्यक और अभिभावक अधिनियम, 1956 (1956 का 32), हिंदू एडॉप्शन एंड मेंटिनेंस एक्ट, 1956 (1956 का 78), संसद अयोग्यता निवारण अधिनियम, 1959 (1959 का 10), दी लिमिटेशन एक्ट, 1963 (1963 का 36), विशेष राहत अधिनियम, 1963 (1963 का 37), प्रशासक-सामान्य अधिनियम, 1963 (1963 का 45), विदेश विवाह अधिनियम, 1969 (1969 का 33), शपथ अधिनियम, 1969 (1969 का 44), दी डिप्लोमेटिक एंड कांसुलर ऑफिसर (ओथ एंड फीस) (जम्मू और कश्मीर तक विस्तार) एक्ट, 1973 (1973 का 2), मुर्सलिम महिला (तलाक पर अधिकारों की सुरक्षा) अधिनियम, 1986 (1986 का 25), मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996, मुर्सलिम महिला (विवाह पर अधिकारों की सुरक्षा) अधिनियम, 2019 (2019 का 20) शामिल हैं।

बंधवाड़ी कचरा प्रबंधन प्लांट में 25.57 मीट्रिक टन कचरा किया गया प्रोसेस

दिसंबर 2024 तक शेष 16.36 मीट्रिक टन कचरा होगा प्रोसेस

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा बंधवाड़ी स्थित कचरा प्रबंधन प्लांट में कचरे का निष्पादन कार्य तेज गति से किया जा रहा है। जनवरी 2023 में प्लांट में 30.43 मीट्रिक टन कचरा एसेस किया गया था तथा 13 मई तक प्लांट में 8.02 मीट्रिक टन फ्रैश कचरा पहुंचा। इस प्रकार कुल जमा 38.45 मीट्रिक टन कचरे में से 25.57 मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस किया जा चुका है।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा तैयार की गई एक्शन टेकन रिपोर्ट के अनुसार जनवरी, 2023 से दिसंबर 2023 तक 16.50 मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस किया गया। इसके अलावा, जनवरी 2024 से मार्च 2024 तक 4.88 मीट्रिक टन तथा 1 अप्रैल 2024 से 13 मई 2024 तक 4.19 मीट्रिक टन कचरा प्रोसेस किया गया है। एक्शन टेकन रिपोर्ट के अनुसार प्लांट में अब 12.88 मीट्रिक टन कचरा है तथा दिसंबर 2024 तक 3.48 मीट्रिक टन कचरा और पहुंचना अपेक्षित है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 31 दिसंबर तक शेष 16.36 मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर लिया जाएगा तथा प्लांट को पूरी तरह से लीगेसी कचरा मुक्त कर दिया जाएगा। प्लांट में ट्रोमल के माध्यम से कचरे को प्रोसेस करके उसमें से आरडीएफ, कंपोस्ट व इनर्ट निकाला जाता है। आरडीएफ सीमेंट एजेंसियों में भेजा जाता है तथा कंपोस्ट व इनर्ट का डिस्पोजल भी किया जा रहा है।

सोलर पैनल सिस्टम व रेन हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर समय की मांग : राकेश आर्य

पुलिस आयुक्त कार्यालय में हुआ सोलर पैनल सिस्टम व वाटर रेन हार्वेसटिंग स्ट्रक्चर का उद्घाटन

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने मंगलवार को सेक्टर 21सी स्थित अपने कार्यालय में सोलर पैनल सिस्टम व वाटर रेन हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर सिस्टम का उद्घाटन किया। इस अवसर संयुक्त पुलिस आयुक्त ओपी नरवाल, डीसीपी सेन्ट्रल जसलीन कौर, एसीपी मुख्यालय अभिमन्यु गोयत, एसओ भारतेंद्र एसीपी के साथ गुडियर कम्पनी की तरफ से मैनिफेक्चरिंग डायरेक्टर सुधीर वैजनापुरकर, एचआर डायरेक्टर अभिषेक, अनुप, प्लांट हैड बल्लबगढ़ योगेश, आशुतोष शर्मा व नवजोती इंडिया फाउंडेशन से मैनेजर शिल्पा के साथ पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभी कर्मचारी और अन्य आगंतुक मौजूद रहे।

पुलिस आयुक्त व मंच पर मौजूद अन्य अतिथियो को पौधा भेंट करके प्रोग्राम की शुरुआत की गई। प्रोग्राम के दौरान मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य ने सोलर सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के संबंध में जानकारी देकर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होने बताया कि गर्मी के दिनों में लाईट चली जाने पर जनरेटर का प्रयोग किया जाता है जिससे वायु प्रदूषण होता है। जनरेटर से ऑफिस के सभी कार्यालयों व थाना में पूर्ण रुप से बिजली देना संभव नही होता है। जिससे कार्य प्रभावित होते हैं। फरीदाबाद की गुडियर इंडिया लि0 कम्पनी द्वारा सोलर पैनल सिस्टम व रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का सीएसआर के तहत इंस्टोलेशन कराकर पुलिस का सहयोग किया है। सोलर पैनल को ईकोहम कम्पनी ने स्थापित किया है।

पुलिस आयुक्त कार्यालय के साथ साथ सेक्टर-31, मुजेसर, सारन, सेक्टर-8, आदर्श नगर, शहर बल्लबगढ़ में भी सोलर पैनल स्थापित किए गए है। स्थापित किए गए सोलर पैनल से प्रति वर्ष करीब 122000 यूनिट बिजली का उत्पादन करके प्रति वर्ष करीब 8.5 लाख रुपए के बिल की बचत की जा सकेगी। सोलर पैनलों की लाईफ 25 साल होगी तथा बैटरी की लाईफ 5 साल रहेगी। इस प्रोजक्ट से करीब 85.3 टन कार्बनडाई आक्साईड रिड्यूस की जा सकेगी। सोलर पैनल 110 किलोवाट के है। जिसमें करीब 200 पैनल 100 बैटरी का प्रयोग किया गया है। जो करीब 1 करोड़ से भी अधिक लागत से तैयार किए गए है। पुलिस आयुक्त कार्यालय में 40 किलोवाट, थाना सेक्टर-31, सारन, मुजेसर में 15-15 किलोवाट तथा सेक्टर-8 व आदर्श नगर में 10-10 किलोवाट तथा थाना शहर बल्लबगढ़ में 5 किलोवाट की क्षमता वाले सोलर पैनल सिस्टम लगाए गए है। सभी सोलर पैनल हाईब्रिड तकनीकी के है। जिनमें पॉवर बैकअप के साथ साथ अधिक बिजली को इलैक्टिक ग्रिड को सप्लाई किया जा सकेगा।

इसके साथ ही कार्यालय पुलिस आयुक्त व 3 थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी स्थापित किए गए है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनने के पश्चात अब वर्षा के जल का उपयोग ग्राउंड वाटर को रिचार्ज करने में किया जा सकेगा।

इन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की कैपेसिटी करीब 56 लाख लीटर है जो पूर्णत: रिचार्ज होते है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के 2-2 टेंक थाना सेक्टर-31, सारन व मुजेसर तथा एक टेंक पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर-21-सी में स्थापित किए गए है। इन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की लागत करीब 25 लाख रुपए आई है।

जागरुकता से ही किडनी रोग से बचाव संभव : डा. जितेंद्र कुमार

एकॉर्ड हॉस्पिटल में आयोजित सेमिनार में किडनी रोग के प्रति किया जागरूक

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर 86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल एवं नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में नीलम बाटा रोड स्थित होटल में जागरुकता सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें अस्पताल नेफ्रोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. बीके उपाध्याय तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. जितेंद्र ने कहा कि किडनी की बीमारियां बड़ी होती इसके इलाज का परिवार पर फाइनेंशियल असर ज्यादा पड़ता है। इसलिए बहुत जरूरी है किडनी की बीमारी से बचाव की ओर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा की जीवन शैली में बदलाव और आयुष के नुस्खे इलाज में बहुत कारगार साबित हुए हैं लेकिन कभी कभी मरीज बीमारी को समय पर नहीं पकड़ पाते और एक अंग चला जाता है। यदि दोनों गुर्दे फेल हो जाए तो भी ये जीवन का अंत नहीं होता है। वहां कृत्रिम किडनी का इलाज करके, डायलिसिस, दवा और परहेज से मरीज को लाभ दिया जा सकता है। डायलिसिस से बेहतर किडनी ट्रांसप्लांट है। इसलिए किडनी के हर स्टेज में बचाव की बात की जानी चाहिए। इसके लिए जरुरी है लोगों में जागरूकता बढ़े। उन्होंने कहा की आज चाहे किसी भी पेथी के डॉक्टर क्यों न हो सभी को मिलकर मरीजों के हॉट में कार्य करना चाहिए। इस मौके पर डॉ. दिव्या ने कहा की भागदौड़ भरी जीवनशैली में बांझपन की समस्या बढ़ रही है। शादियां देर से हो रही हैं और वह बीमारियां जो पहले बुढ़ापे में देखने को मिलती थी जैसे शुगर, बीपी, मोटापा अब युवाओं में देखने को मिल रही हैं।इन कारणों से बांझपन की समस्या बढ़ रही है। आईवीएफ के अलावा भी आज अस्पताल में इसका नई तकनीक से इलाज उपलब्ध है। जिसे असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक से महिलाओं में मां बनने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अगर बिमारी बहुत ज्यादा बढ़ी हुई है। शुक्राणु या अंडाणु में कोई कमी है तो आईवीएफ से भी उसे दूर किया जा सकता है। इस मौके पर डॉ. सुरेश चंद गोयल, डॉ. राकेश अग्रवाल, डॉ. सैलेंद्र, डॉ. सिमरनजीत मौजूद रही।

अमेरिकन यूनिवर्सिटी ने स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य को पीएचडी से नवाजा

श्री सिद्धदाता आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य को अमेरिकन ईस्ट कॉस्ट यूनिवर्सिटी ने दी पीएचडी

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। अमेरिकन ईस्ट कॉस्ट यूनिवर्सिटी ने फरीदाबाद स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम के अधिष्ठाता जगदगुरु स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज को मानद डाक्टरेट प्रदान की है। इस डिग्री को देने के लिए यूनिवर्सिटी के अधिकारी आश्रम पहुंचे और यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य को दीक्षांत समारोह का रॉब पहनाकर डिग्री प्रदान की। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के इंडिया हैड डॉ पवन कुमार भूत ने कहा कि वह श्री सिद्धदाता आश्रम की व्यवस्थाओं को देखकर अभिभूत हैं। वहीं अधिष्ठाता जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज की अध्यात्मिक शक्तियों एवं ज्ञान से भी चमत्कृत हैं।

उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रबंधन प्रसन्न है कि वह एक ऐसी अध्यात्मिक विभूति को डाक्टरेट की डिग्री प्रदान कर रहे हैं जिनके कर्म मानवता का प्रबंधन कर रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एपीएन चैनल के संपादक डॉ प्रसून शुक्ला ने कहा कि वह किन्हीं व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर स्वामीजी से मिले थे। उनसे मिलकर ही कष्ट कम हो गया था और उनके दिए समय अवधि में ही मेरी बाधाएं दूर हो गई थीं। आज उन्हें एक अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा मानद डाक्टरेट प्रदान करने की घटना का साक्षी बनकर प्रसन्नता महसूस कर रहा हूं। स्वामीजी को मानद पीएचडी मिलने पर भक्त और कार्यकर्ता भी बेहद प्रसन्न हैं।

उनका कहना है कि वैसे तो गुरु महाराज के लिए कोई डिग्री की आवश्यकता नहीं है लेकिन यह मानद डिग्री सम्मान स्वरूप दी गई है जिसका हम सब स्वागत करते हैं। इस बारे में स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने बताया कि कुछ समय पहले यूनिवर्सिटी के पदाधिकारी डॉ भूत का उनके पास फोन आया था, बाद में वह स्वयं भी आए थे और इस डिग्री को प्रदान करने के बारे में बताया था। जिसके बाद वह श्री सिद्धदाता आश्रम में हमारे गुरुजी वैकुंठवासी स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज की जयंती के समारोह में पहुंचे और यह मानद पीएचडी की डिग्री प्रदान की है। मैं यूनिवर्सिटी के इस निर्णय का इस मायने में स्वागत करता हूं कि हर सम्मान आपको आगे और काम करने की प्रेरणा एवं शक्ति प्रदान करता है।

फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन की वार्षिक सभा हुई सम्पन्न

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (एफएमए) ने निजी होटल में अपनी वार्षिक आम सभा (एजीएम) का आयोजन किया। कार्यक्रम की मेजबानी एफएमए की हेड ऑफ इंस्टीट्यूशनल एलायंसेस, मोनिका आनंद ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, भारत की पूर्व राजदूत सुचित्रा दुरई का स्वागत एफएमए की अध्यक्ष सलोनी कौल और कोषाध्यक्ष केपी धीमन ने किया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि, ग्लोबल टैलेंट कंपनी (थाईलैंड, भारत, और उत्तरी अमेरिका) के संस्थापक और सीईसीओ, डीके बख्शी का स्वागत कार्यकारी निदेशक वी थियागराजन ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में, सलोनी कौल ने एफएमए के लक्ष्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद, डीके बख्शी ने नेतृत्व पर अपने विचार साझा किए और एफएमए के साथ अपने पुराने संबंधों पर चर्चा की। वित्तीय वर्ष 2023-24 के वित्तीय विवरण वी थियागराजन ने प्रस्तुत किए, जिन्हें सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सलोनी कौल ने पिछले वर्ष की गतिविधियों का सारांश दिया, और महासचिव चारू स्मिता मल्होत्रा ने भविष्य के लिए योजनाओं का रोडमैप प्रस्तुत किया। इस सभा में 2024-26 के लिए नए नेतृत्व की घोषणा की गई। सलोनी कौल को फिर से अध्यक्ष चुना गया, चारू स्मिता मल्होत्रा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मोनिका आनंद को महासचिव नियुक्त किया गया।

वही केपी धीमन कोषाध्यक्ष बने रहेंगे, रवींद्र सिंह कॉर्पोरेट सदस्यता के अध्यक्ष और हीरेश गिधर प्रोफेशनल इंडिविजुअल सदस्यता का प्रबंधन करेंगे। मुख्य अतिथि सुचित्रा दुरई ने महिला सशक्तिकरण पर एक प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें भारत सरकार की योजनाओं की चर्चा की गई। उनका भाषण उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों को प्रभावित करने वाला था। सभा का समापन हीरेश गिधर के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। यह कार्यक्रम नेतृत्व, दृष्टि और प्रबंधन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की एफएमए की प्रतिबद्धता का उत्सव था।

अवैध खनन नहीं स्वीकार्य, की जाएगी कड़ी कार्यवाही: विक्रम सिंह

एसीएस आनंद मोहन शरण ने की जिला वार स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से जुड़े केसों की समीक्षा

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि अवैध रूप से खनन स्वीकार्य नहीं है। यदि कोई भी व्यक्ति गैर कानूनी तरीके से खनन करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उपायुक्त मंगलवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में सम्बंधित विषय पर आयोजित बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक से पूर्व वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पर्यवारण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विस्तार से अवैध खनन सहित स्टेट पोलुशन कंट्रोल बोर्ड से जुड़े मामलो की समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त विक्रम सिंह ने सभी दिशा निर्देशों की पूर्ण अनुपालना का भरोसा देते हुए कहा कि निर्धारित समयावधि में सभी कार्यो को पूरा किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंस के उपरान्त उपायुक्त ने मौके पर ही खनन विभाग, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और वन विभाग के सम्बंधित अधिकारियों की बैठक ली।

उपायुक्त ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खनन विभाग, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और वन विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित करके उसकी रिपोर्ट मुख्यालय में भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने एनजीटी और कोर्ट केसों की फाइलों को कंपाइल करने की सुनिश्चितता की आवश्यकता पर जोर दिया। अरावली क्षेत्र से जुड़े विभिन्न 23 प्वाइंट्स पर रिपोर्ट करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने अरावली क्षेत्र के एक्शन प्लान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित प्लानिंग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को कहा कि पूरा प्लान तैयार करके डिटेल के साथ मुख्यालय भेजें।

उन्होंने नई एसओपी के अनुसार पूरे प्लान को कंप्लीट करके मुख्यालय भेजने की भी सुनिश्चितता की बात कही। उन्होंने कहा कि हर महीने इन विषयों पर ऑनलाइन समीक्षा की जाएगी और हर महीने और त्रैमासिक आने वाली सभी रिपोर्ट निर्धारित समय पर भेजना सुनिश्चित करें। उपायुक्त विक्रम सिंह ने जिला वन, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और खनन विभाग के अधिकारियों के साथ जिला के एनजीटी और कोर्ट केसों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तीनों विभागों के अधिकारी आपसी तालमेल करके कोर्ट केसों का बेहतर क्रियान्वयन करें और निर्धारित समय पर केसों की पैरवी सुनिश्चित करें। उपायुक्त कार्यालय से जो भी सहयोग की आवश्यकता हो, उसे निश्चित तौर पर पूरा किया जाएगा। कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। बैठक में जिला वन अधिकारी डॉ. सुशील कुमार, जिला पॉल्यूशन बोर्ड के आरओ संदीप सिंह, जिला माइनिंग ऑफिसर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रिधिमा व विधिका कौशिक ने स्वर्ण पदक जीतकर किया फरीदाबाद का नाम रोशन

नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में लहराया फरीदाबाद का परचम

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद की रिधिमा कौशिक व विधिका कौशिक ने स्वर्ण पदक जीतकर फरीदाबाद का नाम रोशन प्रदेश और देश में किया है। यह जानकारी मंगलवार को हरियाणा रेड क्रॉस के सेवानिवृत्त महासचिव डी.आर. शर्मा ने दी। दोनों बेटियों ने किकबॉक्सिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने जिला, राज्य और देश का नाम रोशन किया है। दोनों बेटियों नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल जीत कर लाई हैं।

रिधिमा व विधिका हरियाणा रेड क्रॉस के सेवानिवृत्त महासचिव डी.आर. शर्मा की भतीजियां है। डी.आर. शर्मा ने कहा कि ये युवा प्रतिभाएं देश का भविष्य हैं और इनकी सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। रिधिमा और विधिका की इस सफलता से यह साबित होता है कि मेहनत और समर्पण से किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। फरीदाबाद और हरियाणा को इन दोनों युवा खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने बताया कि 13 साल की रिधिमा ने केवल 4 साल की उम्र में किकबॉक्सिंग की शुरुआत की थी और अपनी मेहनत और लगन से विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए हैं।

13 वर्षीय रिधिमा ने महाराष्ट्र के पुणे स्थित श्री शिव छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में आयोजित नेशनल किकबॉक्सिंग चिल्ड्रन किड्स चैंपियनशिप में भाग लिया और कई पदक जीते और इसी प्रतियोगिता में 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग में 28 किलोग्राम से कम वजन श्रेणी में, रिधिमा की बहन विधिका कौशिक ने भी किक लाइट और लाइट कॉन्टैक्ट इवेंट्स में स्वर्ण पदक जीते। विधिका ने किक लाइट इवेंट में महाराष्ट्र और हरियाणा के खिलाड़ियों को पराजित किया और लाइट कॉन्टैक्ट इवेंट में महाराष्ट्र और मणिपुर के खिलाड़ियों को हराया। इसके साथ ही उन्होंने टीम इवेंट में कांस्य पदक भी जीता, जिसमें महाराष्ट्र की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रिधिमा और विधिका की इस शानदार उपलबधि पर उनके कोच, परिवार और फरीदाबाद के लोगों ने गर्व व्यक्त किया।

हथौड़ा मारकर पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। घरेलू झगड़े के दौरान पत्नी की हथौड़ा मारकर हत्या करने वाले आरोपी पति को अपराध शाखा डीएलएफ पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी से मुकदमें में अन्य साक्ष्य एकत्रित करने के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शम्भू सिंह(40) गांव बेटोना जिला मधेपुरा बिहार का हाल त्रिखा कॉलोनी बल्लबगढ़ का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से बल्लबगढ़ बस स्टैण्ड से काबू किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शम्भू सिंह मजदूरी का काम करता है।

आरोपी की पत्नी घरों में साफ-सफाई का काम करती थी। आरोपी के साथ 16/17 मई की रात को आरोपी का पैसों को लेकर उसकी पत्नी के साथ झगडा हो गया था। इस संबंध में आरोपी के लडके अभिनाष कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि वह जब 17 मई को अपने कमरे गया तो देखा उसकी माता पूनम(35) घायल अवस्था में है जिसको काफी चोट लगी थी। जो बेड पर लहूलुहान अवस्था में पड़ी थी। पूनम ने बतया कि उसके पति शम्भू सिंह ने हथौड़े से चोट पहुंचाई थी। जब पूनम को इलाज के लिए जी.एच बल्लबगढ़ लेकर गए जहां पर डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। आरोपी के लडके अभिनाष कुमार की शिकायात पर हत्या की धाराओं में थाना शहर बल्लबगढ़ में दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ में मृतिका का फोन बरामद हुआ है।

संपादकीय

एक गलती की सदियों तक सजा भुगतनी होगी !

सही और गलत के मध्य बारीक धागे सा अंतर होता है लेकिन एक सही निर्णय राष्ट्र का निर्माण तो उसी गलत फैसला उस देश के लोगों को सदियों तक सजा देता है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

गजनवी हजार मील से भारत आया, सोमनाथ तोड़कर हजारों को गुलाम बनाकर हमारी धरती से ले गया- सही निर्णय होता कि सब भेद स्वार्थ भूलकर उसको रोकते, खत्म कर देते। ऐसा नहीं हुआ, शताब्दियों तक भारत को दुःख और दासता झेलनी पडी।

पानीपत में एक निर्णय गलत हुआ- आपसी समझ और भोजन की जिम्मेदारी के अहंकार ने जीती बाजी हरवा दी।

1947 में सत्ताकामी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं ने विभाजन का गलत निर्णय लिया, दस लाख हिन्दू सिखों का नरसंहार हुआ, उसके बाद आज तक हम युद्ध की निरंतर विभीषिका झेल रहें हैं।

पटेल की जगह नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनाने का गलत निर्णय हुआ, देश ने तुरंत एक लाख पचीस हजार वर्ग किलोमीटर भूमि के हाथों खोयी, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सेना के स्थान पर केंद्रीय आरक्षी पुलिस की गश्ते लगवाईं। अक्साई चीन खोया। आज उसका दंश और निरंतर युद्ध हम झेल रहे हैं।

चुनाव भी केवल कुछ जाने अनजाने, अच्छे या कम अच्छे लोगों को लोकसभा भेजने का उपक्रम नहीं- यह राष्ट्र रक्षा के निमित्त युद्ध ही होता है जिसमें शताब्दियों भविष्य दांव पर लगा होता है। सही शासक राष्ट्र का नवीन निर्माण करते हैं- यदि विदेशी धन और मन वाले क्षुद्र विवेकी गए तो अच्छा खासा साम्राज्य ढहते देर नहीं लगती।

देश रक्षा के निर्णायक क्षणों में भी बहुत से लोग कहते देखे गए- मोदी तो ठीक है लेकिन जिनको टिकट दिया गया उनमें बहुत से निकम्मे और संवेदनहीन हैं, या सारे कांग्रेसी भर दिए- अब हम किसको पहचाने? वे भूल जाते हैं की युद्ध के समय सेनापति के निर्णय पर बहस नहीं हो सकती- सिर्फ सेनापति को देखो, हर सैनिक में सेनापति की छवि देखो, देश विजयी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर जूझो और विजयी होकर निकलो- बस यही एक लक्ष्य होता है।

गजनवी और गोरी हमारे अपने उन पूर्वजों की कमजोरियों और इन्ही स्वार्थों के कारण आए और हमें लूट गए जो कहते थे, हमारा क्या, हम अपनी जमींदारी, अपने हित संभाल रहे हैं। मुट्ठी भर अंग्रेज तीस करोड़ भारतीयों पर ढाई सौ वर्ष राज कर गए- इन्ही स्वार्थी कूप मंडूक भारतीयों की सहायता से। इन्हीं भारतीयों ने अपने ही भारतीयों पर विदेशी शासकों के आदेश से जलियांवाला में गोलियां चलाईं और सावरकर जैसे हजारों क्रांतिकारियों पर अत्याचार किये। भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव को फांसी देने के फैसले पर पाखंडी मुहर लगाने के लिए लाहौर के अंग्रेज जज को स्थानीय गवाहियां चाहिए थीं- तीन सौ सिख मुस्लिम और सनातनी हिन्दुओं ने गवाहियां दीं- वे सब भारतीय थे। उनके नाम राष्ट्रीय अभिलेखागार में फाइलों में हैं। सिर्फ राय साहबियत, राय बहादुरी खिताब लेने, साउथ नार्थ ब्लॉक बनाने की ठेकेदारी लेने हमने अपने देश के खिलाफ खड़े होने में लज्जा महसूस नहीं की। मुझे क्या मिलेगा? इसी प्रश्न पर हम देश की सदियों को गुलामी और विनाश के अँधेरे में झोंक देने में संकोच नहीं करते।

देश सिर्फ पानी बिजली और सडकों से नहीं बनता। राष्ट्र की आत्मा और चैतन्य होता है। उस चैतन्य को जागृत होते हम देख रहें हैं तो विदेशी शक्तियां बौखला गयीं हैं। हर कीमत पर वे इस चैतन्य यात्रा को रोकना चाहते हैं- स्वार्थी विकृत सोच के भारतीयों की ही मदद से।

पराक्रमी और विजय की ओर उन्मुख नेतृत्व राष्ट्र निर्माण करता है, मुफ्त पानी, बिजली और लैपटॉप नहीं देता। बलिदानी सैनिकों की स्मृति यदि नागरिकों को सशक्त नेतृत्व निर्माण हेतु प्रेरित नहीं उनको राष्ट्र की किसी भी कल्याण योजना का लाभ उठाने का भी अधिकार नहीं हो सकता।

क्या आज का भारत, अपने राष्ट्र के मूल स्वभाव और सभ्यता की रक्षा करने वालों के साथ पराक्रम दिखते हुए खड़ा होगा या गजनवी को रास्ता देने वालों की तरह केवल अपने लिए मुफ्त बिजली पानी मिलने तक सीमित रहेगा?

पिछले वर्षों में खालिस्तान का आतंकवाद, कश्मीर से कोयंबटूर तक के जिहादी विस्फोट, हिन्दुओं का हर कदम पर अपमान, हर वर्ष होने वाले दंगे, पाकिस्तानी आतंकवाद, गरीबी का फैलाव, सडकों की जगह गड्ढे। राशन की तरह खुशामद कर करके गैस के सिलिंडर लेने की कवायद, कठिन और बेतरतीब रेल यात्रायें, विदेशों में हमारे प्रति एक तिरस्कार और गरीब-पिछड़े-सबसे भ्रष्ट देश होने की दृष्टि से भारतीयों की ओर देखने वाले विदेशी- क्या यह सब हम भूल गए और इसमें हुआ विराट परिवर्तन हममें कोई उत्साह और जोश पैदा नहीं करता?

पांच सौ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद भी अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करने वाले हिन्दुओं ने अपनी पत्रिकाओं में वहां शौचालय बनाने के सुझाव दिए- इस मानसिकता को पराभूत किसने किया? किसने हिन्दू गौरव की पुनःस्थापना की? किसने कहा कश्मीर में एक भी सांप और जिहादी चोर को जिन्दा नहीं छोड़ेंगे? संघ के स्वयंसेवक और तपस्वी प्रचारक दीखते नहीं लेकिन देश बदल देते हैं। वे हजारों गैर काषाय वस्त्र धारी प्रचारक जिन्होंने मां से घर छोड़ते समय आशीर्वाद लेते हुए सिर्फ यही कहा था- भारत माता विजयी हो केवल यही अब जीवन का व्रत है- उनके तप के रंग के खिलने का समय यही है जब भारी मतदान द्वारा राष्ट्र घातक तत्वों को पराभूत करने का दम खम दिखाया जाये।

उन्ही प्रचारकों में से एक नरेंद्र मोदी ने देश बदला, साहसिक निर्णय लिए और अब आधारभूत ऐसे परिवर्तन करने का समय है जिनसे आगामी सदियों का भारत सदैव के लिए शक्ति पथ पर चलेगा। यह नवीन भारत के लिए एक ऐतिहासिक निर्णायक क्षण है। कभी किसी को ऐसा लिखना न पड़े कि- लम्हों ने खता की थी- सदियों ने सजा पायी।

बल्कि हम कहें-लम्हों ने संभाला था- सदियों ने संवारा है।

हमीरपुर की नैंसी ने सर्पीली सड़क पर दौड़ाई सवारियों से भरी निजी बस, बतौर चालक शुरू कीं सेवाएं

हमीरपुर बस अड्डे पर पहुंचते ही बस प्रबंधक विजय ने टोपी व पुष्प देकर नैंसी का स्वागत किया

कुछ हटकर करने के जज्बे के चलते हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर की ग्राम पंचायत कश्मीर की बेटी नैंसी ने बस चलाने के लिए स्टीयरिंग थामा है। नैंसी हिमाचल की पहली निजी बस चालक बनी हैं। नैंसी ने निजी बस सिर्वस आरटीसी में बतौर चालक सेवाएं देना शुरू कर दी हैं। गुरुवार को पहले दिन नैंसी ने गलोड़ रूट की बस में बतौर चालक सेवाएं दीं। हमीरपुर बस अड्डे पर पहुंचते ही बस प्रबंधक विजय ने टोपी व पुष्प देकर नैंसी का स्वागत किया।

बस अड्डे पर सवारियों से भरी बस लेकर पहुंचीं चालक नैंसी ने हौसला अफजाई के लिए खुशी जाहिर की। नैंसी ने बीते वर्ष ही एचआरटीसी हमीरपुर में बस चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और इससे पहले वह कांगडा में एबुंलेंस चला रही थीं और अब हमीरपुर में निजी बस चलाने वाली पहली महिला चालक बनी हैं। नैंसी ने बताया कि छोटी गाड़ी चलाने से सफर शुरू हुआ था और माता-पिता ने चालक बनने के लिए सहमति दी और उसके बाद दो माह का एचआरटीसी में प्रशिक्षण लेकर लाइसेंस लिया है।

उन्होंने बताया कि आज पहली बार निजी बस में सवारियों को लेने का अच्छा अनुभव रहा है। नैंसी का सपना एचआरटीसी की बस में चालक बनना है। नैंसी ने बताया कि अगर परिवार सहयोग दे तो लड़कियां भी किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। नैंसी ने बताया कि लड़कियों को अपनी झझिक छोड़नी पड़ती है और हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

वहीं बस में सवारियों ने भी नैंसी के बस चालक बनने पर खुशी जाहिर की। कहा कि उन्होंने बताया कि पहली बार महिला चालक के साथ बस में सफर करते हुए बहुत अच्छा लगा। बस में सफर कर रही महिला निशा और नेहा ने बताया कि बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि लड़की बस चला रही है। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए नैंसी प्रेरणास्रोत हैं।

नैंसी के भाई ने बताया कि नैंसी को सभी का सहयोग मिलता है। लड़कियों को आज आगे आने की जरूरत है। निजी बस आरटीसी के प्रबंधक विजय ने बताया कि नैंसी से बस चलाने के लिए पूछा था,जिस पर उसने सहमति जताई और आज बतौर बस चालक सेवाएं शुरू की हैं।

उन्होंने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। बता दें, सीमा ठाकुर हिमाचल की पहली महिला बस ड्राइवर हैं। वह हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की भी पहली महिला बस चालक हैं।

वंडर-वर्ल्ड स्टोरी झरोखों से

राजकुमार की अद्भुत यात्राः भाग 3ः

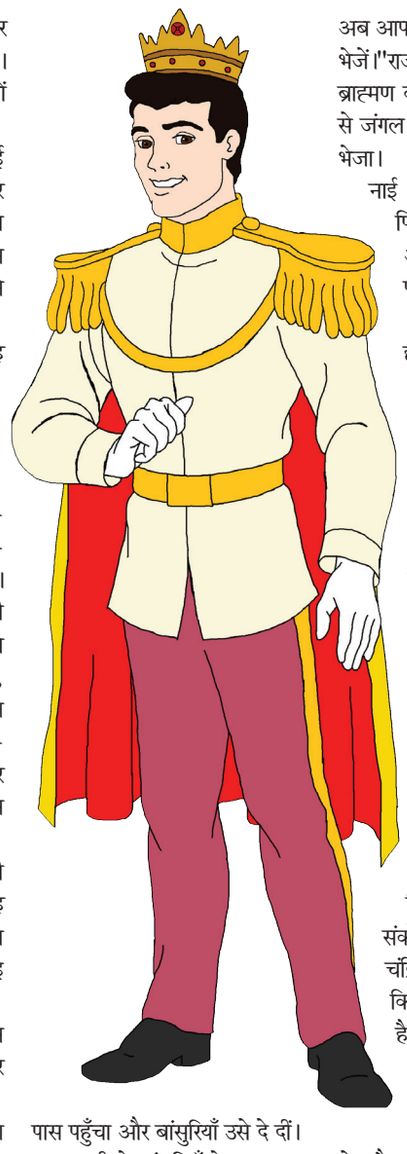

अर्जुन ने गायों को शांत किया और नाई और ब्राह्मण को माफ कर दिया। उन्होंने उन्हें जाने दिया और वे दोनों महल की ओर लौट गए।

राजमहल में पहुँचकर, नाई और ब्राह्मण ने राजा जियसंह और राजकुमारी चंद्रिका को सारी घटना सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे अर्जुन ने उन्हें माफ किया और कैसे गायों ने उनकी रक्षा की।

राजकुमारी चंद्रिका ने भी यह सुनकर मन ही मन निर्णय लिया कि वह किसी भी कीमत पर अर्जुन से ही विवाह करेगी। उसने अपने पिता से कहा, "पिताजी, अब हमें अर्जुन को यहाँ लाने की हर संभव कोशिश करनी चाहिए। राजकुमारी चंद्रिका ने अपने मन में एक योजना बनाई। उसने एक तोता पाला और उसे अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया। उसने तोते को निपुण कर दिया और उससे कहा, "तुम्हें उस जंगल में जाना है और पीपल के पेड़ पर बैठे राजकुमार की दुख-सुख की बांसुरी को चुराना है। अगर तुम ऐसा नहीं करोगे, तो मैं तुम्हें जान से मार दूंगी।"

तोता, राजकुमारी की धमकी सुनकर, जंगल की ओर उड़ गया। वह राजकुमार अर्जुन के पास पहुँच गया और वहाँ जाकर जोर-जोर से टाइ-टाइ करने लगा।

राजकुमार अर्जुन सोचने लगा, "न जाने यह तोता कहाँ से आ गया है और इतना शोर क्यों कर रहा है?"

मगर दोपहर में अर्जुन को नींद आ गई और वह सो गया। तभी तोते को मौका मिल गया। उसने तुरंत दुख और सुख की दोनों बांसुरियाँ चुरा लीं और राजमहल की ओर उड़ गया।

वह तोता राजकुमारी चंद्रिका के पास पहुँचा और बांसुरियाँ उसे दे दीं। राजकुमारी ने बांसुरियाँ देखकर खुश होते हुए कहा, "बहुत अच्छा किया। अब हम अपने अगले कदम की तैयारी करेंगे।"अब राजकुमारी चंद्रिका ने अपने पिता से कहा, "पिताजी, अब आप नाई और ब्राह्मण को दोबारा भेजें।"राजा जियसंह ने तुरंत नाई और ब्राह्मण को बुलवाया और उन्हें फिर से जंगल में अर्जुन को लाने के लिए भेजा।

नाई और ब्राह्मण ने एक बार फिर जंगल का रुख किया और पीपल के वृक्ष के पास पहुँचे। उन्होंने अर्जुन से कहा, "राजकुमार, अब हमें तुम्हें हमारे साथ महल चलना होगा।"

अर्जुन ने इंकार किया, तो नाई और ब्राह्मण ने इस बार बलपूर्वक उसे अपने साथ ले जाने की कोशिश की। वे उसे जबरदस्ती खींचने लगे और अंततः राजकुमार अर्जुन को महल ले आए।

महल में पहुंचकर, अर्जुन को राजा जियसंह के सामने प्रस्तुत किया गया। राजा ने अर्जुन का भव्य स्वागत किया और उसे राजकुमारी चंद्रिका से विवाह करने का आदेश दिया।अर्जुन ने पहले तो संकोच किया, लेकिन राजकुमारी चंद्रिका ने उसे विश्वास दिलाया कि वह उससे सच्चा प्रेम करती है।अर्जुन और चंद्रिका का विवाह धूमधाम से संपन्न हुआ। सभी राजमहलवासी इस विवाह से बहुत खुश थे और उन्होंने दोनों को आशीर्वाद दिया।कुछ समय पश्चात, अर्जुन ने राजकुमारी से कहा, "मुझे अपनी गौ माताओं के पास जाना है।"राजकुमारी ने सहमति दे दी और राजा ने भी बहुत सारा धन देकर उन्हें विदा किया।अर्जुन और चंद्रिका जब जंगल में पीपल के वृक्ष के पास पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि वहाँ गायें नहीं थीं। अर्जुन बहुत दुखी हुआ। उसे पता चला कि सभी गायों ने वृक्ष से टकरा-टकराकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी।

अर्जुन बहुत दुखी हो गया और दुखी मन से रोते हुए गायों की हिड्डयाँ इकट्ठा करने लगा।

उसी समय, वहाँ से महादेव और पार्वती जी गुजर रहे थे। पार्वती जी ने अर्जुन के रोने की आवाज सुनी और बोलीं, "हे भोलेनाथ, उधर किसी के रोने की आवाज आ रही है। चिलए, वहीं चलते हैं।"

भोलेनाथ ने बार-बार माना किया, मगर पार्वती जी नहीं मानीं।

अंततः भोलेनाथ को भी वहाँ जाना पड़ा। उन्होंने अर्जुन से उसके रोने का कारण पूछा।

अर्जुन ने सारी कहानी भोलेनाथ और माँ पार्वती को सुना दी। पार्वती जी ने भोलेनाथ से कहा, "हे भोलेनाथ, कृपया इस राजकुमार की समस्या का हल कीजिए।"

भोलेनाथ ने कहा, "इन इकट्ठी हुई हिड्डयों पर अपनी तर्जनी उंगली का रक्त डालो, तो यह दोबारा जीवित हो जाएंगी।" अर्जुन ने ऐसा ही किया। सभी गायें जीवित हो गईं और "हरे राम हरे राम" कहते हुए उठ गईं।

अर्जुन बहुत खुश हुआ और गायों के जीवित होने पर भगवान शिव और माँ पार्वती का धन्यवाद किया।

राजकुमारी चंद्रिका भी इस अद्भुत घटना को देखकर बहुत प्रभावित हुई।

अब अर्जुन और चंद्रिका ने अपनी गायों के साथ करमपुरी जाने की योजना बनाई।

दिल्ली रेस्टोरेंट का 'छोले भटूरे खाओ, वजन घटाओ' हेल्थ हैक वायरल, पोस्टर

सोशल मीडिया पर अक्सर कुछ न कुछ अजब-गजब वायरल होता रहता है। जिसे देखकर काफी हंसी भी आती है। ऐसा ही एक पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें, दिल्ली के एक रेस्टोरेंट के अंदर का एक पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस पर लोगों की प्रतिक्रियाओं की लहर दौड़ गई है। पोस्टर एक बोल्ड हेल्थ हैक प्रदर्शित करता है। पोस्टर में लिखा है कि, "छोले भटूरे खाओ, वजन घटाओ, बीमारियों से छुटकारा पाओ।"

वायरल हो रहा है पोस्टर

यह वायरल हेल्थ हैक, जिसे दिल्ली में गोपाल जी नामक रेस्टोरेंट की दीवार पर लगाया गया है, एक्स पर @psychedelhic हैंडल द्वारा कैप्शन के साथ साझा किया गया था, केवल दिल्ली में ही आप इसकी उम्मीद कर सकते हैं। छोले भटूरे खायें, वजन कम करें, बीमारिया कम करें।ह्व एक्स यूजर ने छोले भटूरे की एक शानदार प्लेट और गोपाल जी रेस्तरां के बाहर भीड़ की एक तस्वीर भी साझा की। रेस्तरां के बाहर लगे बैनर में दावा किया गया है कि इसकी कोई शाखा नहीं है।

यह पोस्ट एक्स पर 26 मई को शेयर किया गया है

पोस्टर को 26 मई को एक्स पर साझा किया गया था। तब से इसे 44,500 से अधिक बार देखा जा चुका है और संख्या अभी भी बढ़ रही है। कई लोग अपने विचार साझा करने के लिए पोस्ट के टिप्पणी अनुभाग में भी गए।

यहां देखें कि लोगों ने इन पोस्ट पर कैसी प्रतिक्रिया दी

एक व्यक्ति ने पोस्ट किया, "यह हास्यास्पद और अपमानजनक है।" एक अन्य ने कहा, मैं इस जगह पर तब से खाना खा रहा हूं जब मैं छठी कक्षा में था। हमारा समय एक प्लेट 7 रु. की आती थी, और अब 120 की हो चुकी है! लेकिन, सबसे अच्छे छोले भटूरे हैं! तब, एक प्लेट की कीमत 7 रुपये थी, और अब 120 रुपये है!

आधुनिक युग में बीमारियों का सबसे बडा कारण पनीर

मतदाताओं के उत्साह के समाने गर्मी के तेवर रहे फीके

समाचार गेट/सुनिल दीक्षति

आयुर्वेद में पनीर को निकृष्टतम भोजन के रूप में बताया गया है, बोले तो कचरा, और कचरा भी ऐसा वैसा नहीं, ऐसा कचरा जिसे जानवरों को भी खिलाने से मना किया गया है।

दूध को फाडकर या दूध का रूप विकृत करके पनीर बनता है, जैसे कोई सब्जी सड जाए तो क्या उसे खाएंगे ? पनीर भी सडा हुआ दूध है, भारतीय इतिहास में कहीं भी पनीर का उल्लेख नहीं है न ही ये भारतीय व्यंजन है, क्योंकि भारत में प्राचीन काल से ही दूध को विकृत करने की मनाही रही है।

पनीर खाने के नुकसान

आयुर्वेद ने तो शुरू से ही मना किया था कि विकृत दूध लिवर और आंतों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन अब आधुनिक विज्ञान ने भी अपने नए शोध में साबित किया है कि पनीर खाने से आंतों पर अतिरिक्त दबाव आता है जिससे पाचन संबंधित रोग होते हैं। पनीर में पाया जाने वाले प्रोटीन को पचाने की क्षमता जानवरों में भी नहीं होती है, फिर मनुष्य उसे कैसे पचा सकता है !

नतीजा होता है खतरनाक कब्ज, फैटी लीवर और आगे चलकर शुगर, कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लडप्रेशर। यही पनीर पेट की खतरनाक बीमारी (आईबीएस) को भी पैदा करता है।

ज्यादा पनीर खाने से खून में थक्के जमने की शिकायत होती है, जो ब्रेन हैमरेज और हार्ट फेलियर का कारण बनता है।

वहीं ये पनीर हार्मोनल डिसबैलेंस का कारण बनता है जिससे हाइपोथायरायिडज्म या हाइपरथायराइिडज्म पनपता है, महिलाओं में गर्भ धारण करने की क्षमता कम होती है,

पुरुषों में नपुंसकता आती है। कुल मिला कर यदि देखा जाए तो ये पनीर लाभ तो केवल जीभ को देता है,

लेकिन हानि पूरे शरीर की करता है,

पर कढाई पनीर, शाही पनीर, मटर पनीर, चिली पनीर और भी न जाने क्या क्या पनीर....समोसे में पनीर, पकौडी में पनीर, पिज्जा में पनीर, बर्गर में पनीर, मतलब जहां देखो वहां पनीर, पनीर... भारत में शायद जितना दूध पैदा नहीं होता उससे ज़्यादा पनीर बनता होगा।

भारतीय लोग पनीर के इतने दीवाने हो चुके हैं कि इन्हें जहां पनीर मिल जाता है,

मजे से चाप लेते हैं, होटल में गए तो बिना पनीर खाये गले से निवाला नहीं निगलता।

चिकित्सा विज्ञान में सबसे प्राचीन विधा आयुर्वेद में दूध, दही, घी का जिक्र हर जगह है किन्तु इस नामुराद पनीर का जिक्र कहीं नहीं मिलता, आखिर क्यों ? यदि पनीर इतना ही अच्छा है तो इसके बारे में किसी ऋषि मुनि ने कुछ लिखा क्यों नहीं ?

प्रकाश अस्थाना
फेसबुक वॉल से

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने लॉन्च किए छह प्रोग्राम

देश भर के विद्यार्थियों के दाखिलों को लेकर प्रश्नों का लिख और बोल कर जवाब देगा

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल । श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने 6 नए प्रोग्राम लॉन्च किए हैं। यह सभी प्रोग्राम रोजगारपरक होंगे। बीएससी इन योगा एंड स्प्रिचुअलिटी साइंस देश में एक अनोखा प्रोग्राम होगा। इसके साथ ही कम पढ़े-लिखे युवाओं को इंडस्ट्री से जोड़ने के लिए दर्जन बार नए शॉर्ट टर्म प्रोग्राम लॉन्च मंगलवार को लॉन्च किए गए। इस मौके पर कुलपति डॉ. राज नेहरू ने एडमिशन कैंपेन के लिए एक रोबोट को भी लॉन्च किया है। यह रोबोट देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय के बारे में हर जानकारी बोल कर और लिख कर देगा। मीडिया के समक्ष इसकी भी लॉन्चिंग की गई।

विओ : श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि यह रोबोट स्कि ल डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी की चेयरपर्सन प्रोफेसर ऊषा बत्रा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने बनाया है। रोबोट के लिए समाज सेवी संगठन उत्सव फाउंडेशन ने विद्यार्थियों को फंड प्रदान किया। प्रोफेसर ऊषा बत्रा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने इस रोबोट की कुशलता और कार्यशैली का प्रदर्शन किया। रोबोट ने श्री विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के बारे में पूछे गए प्रश्नों के त्विरत उत्तर दिए।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि अब श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में दाखिलों के बारे में कोई जानकारी चाहिए तो जिज्ञासु विद्यार्थी इस रोबोट से पूछ सकते हैं। इसे वेबसाइट से भी लिंक किया गया है। वेबसाइट पर जाकर विद्यार्थी स्कि ल से जुड़े प्रोग्राम की जानकारी ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस रोबोट के एडवांस वर्जन भी बनाए जाएंगे।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि पहले चरण में हमारा चार हजार विद्यार्थियों की क्षमता विकिसत करने का लक्ष्य था। इस सत्र में हम तीन हजार के आंकड़े को पार कर जाएंगे। हमने 4 इंडस्ट्री के साथ प्रोग्राम की शुरुआत की थी आज 106 इंडस्ट्री श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ जुड़ी हैं। इस वर्ष यह आंकड़ा 150 कंपनी तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इंडस्ट्री की ऑन द जॉब ट्रेनिंग के कारण ही प्लेसमेंट 81 प्रतिशत को पार कर गया है, जिसे 90 प्रतिशत ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से एक बच्चा एक मशीन का लक्ष्य पूर करेंगे और लैब में प्रोडक्शन भी शुरू करने की योजना है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए सिडबी के सहयोग से सुपर 30 प्रोग्राम शुरू किया गया है। विश्वविद्यालय ने स्कि ल इनोवेटर्स फाउंडेशन के माध्यम से इंडस्ट्री और कॉरपोरेट से करीब 2 करोड़ रुपए का फंड जुटाया है। इसमें से एक करोड़ रुपए विद्यार्थियों की स्कॉलरशिप के लिए आया है। गरीब विद्यार्थियों की पढ़ाई किसी भी सूरत रुकने नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि इस बार महिला व पुरुष छात्रावास भी शुरू एक दिए गए हैं।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि विश्वविद्यालय में एक एग्रीकल्चर लैब स्थापित की गई है। इसमें 15 प्रकार के टेस्ट किए जा सकेंगे। आने वाले समय में यह आसपास के किसानों के लिए भी बहुत फायदेमंद होगी।

कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने विश्वविद्यालय के दोहरे एकीकृत मॉडल को और अधिक उन्नत बनाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने मीडिया के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित की।

ग्रामीण व्यापारी को लारेंस विश्नोई गैंग की जान से मारने की धमकी, पांच लाख की मांगी रंगदारी

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल । गांव पिंगोड़ के एक दुकानदार को लारेंस विश्नोई गैंग के गुर्गों ने पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। रंगदारी ना देने पर दुकानदार को जान से मारने की धमकी दी गई है। दुकानदार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला पुलिस के लिए सिर दर्द बन गया है। फोन पर धमकी देने वाले का कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा है। दीघोट हसनपुर रोड पर स्थित गांव पिंगोड़ में परचून की दुकान चलाने वाले सतीश के पास एक युवक का फोन आया और उससे सरपंच शब्द से संबोधन कर पांच पेटी यानी पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई। रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। सतीश को रकम के इंतजाम के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया।

रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। सतीश को रकम के इंतजाम के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया

आपको बता दें कि सतीश की मां गांव की सरपंच रह चुकी है। सतीश अपने मां के कामकाज प्रतिनिधि के तौर पर सारा काम देखता था तभी से सतीश को पूरा गांव सरपंच कहकर बुलाते हैं। सरपंच का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद सतीश ने गांव में ही परचून की दुकान खोल ली है। पीड़ित ने फोन करने वाले से कहा कि मैं तो परचून की दुकान चलाता हूं। परचून की दुकान चलाने वाले से रंगदारी वसूलोगे। युवक ने सतीश और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए इतना सुनते ही युवक ने फोन काट दिया। पीड़ित ने पुलिस को धमकी देने वाले युवक का फोन नंबर देते हुए अपने और अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

होडल के गांव मित्रोल से पुलिस ने अवैध हथियार देसी कट्टा सहित किया गिरफ्तार

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल समाचार गेटट्टहरिओम भारद्वाज ट्ट होडल मुंडकटी थाना के अंतर्गत गांव मित्रोल में पुलिस ने अवैध हथियार देशी कट्टा सहित पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है आपको बता दे कि पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार डॉ अंशु सिंगला, पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व में पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान अवैध हथियार धारकों की धरपकड़ के संबंध में चलाया हुआ है। इसी मुहिम के अंतर्गत गत दिनांक 27 मई 2024 को डिटेक्टिव स्टॉफ प्रभारी उप निरीक्षक तेजपाल सिंह की टीम में तैनात हेड कांस्टेबल इरफ ान ने विश्वसनीय सूत्रों की सूचना के आधार पर थाना मुन्डकटी क्षेत्र अंतर्गत गांव मित्रोल निवासी हर्ष को गांव से ही एक देशी कट्टा अवैध हथियार सहित काबू किया। अवैध हथियार को कब्जा में लेकर आरोपी के विरुद्ध संबंधित थाना मुन्डकटी में शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग पंजीबद्ध कर कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

गांव-गांव जाकर चलाया जा रहा है मेवात कानूनी सशिक्तकरण अभियान

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा लोगों को कानूनी जागरूकता देने के लिए मोबाइल वैन द्वारा के मेवात कानूनी सशिक्तकरण अभियान इस मोबाइल वैन में पैनल अधिवक्ताओं की ड्यूटियां निर्धारित की गई है। ये पैनल अधिवक्ता विभिन्न कानूनी विषयों पर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इस बारे जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी तैयब हुसैन ने बताया कि यह मोबाइल वैन जिला के गांवों के लिए शुरू की गई है, जो निर्धारित किए गए गांवों में जा रही है। मोबाइल वैन के माध्यम से रायपुर, भूरियाका गांव में जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिवक्ताओं नरेंदर, सगीर सोशल वर्क र, द्वारा लोगों को एडीआरः लोक अदालत और ध्यान, महिलाओं के लिए संपित्त अधिकार, स्वच्छ जल और स्वच्छता के अधिकार, बाल श्रम कानून और अधिकार सहित विभिन्न कानूनी विषयों बारे जागरूक किया गया।

यूपी सरकार ने गुड़गाँव- नूँह- फ़रीदाबाद पलवल ज़िलों का नहरी पानी रोका

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। लोग त्रस्त मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव से मिले आफताब अहमद, गुड़गांव कैनाल में पानी छोड़ने को कहा नूंह विधायक व कॉग्रेस विधायक दल हरियाणा के उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने मुख्यमंत्री के प्रधान मुख्य सचिव आर के खुल्लर आईएएस से हरियाणा सचिवालय चंडीगढ़ में बैठक की जिसमें गुड़गांव कैनाल में तत्काल प्रभाव से पानी छोड़ने की मांग विधायक ने उठाई है। बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने नूँह, पलवल, गुड़गाँव, फ़रीदाबाद ज़िलों का नहरी पानी रोक दिया है, जिससे इन ज़िलों के लोग त्रस्त नज़र आ रहे हैं। प्रधान मुख्य सचिव आर के खुल्लर आईएएस के दफ़्तर में ही विधायक आफताब अहमद ने देवेन्द्र सिंह आईएएस, सिंचाई सलाहाकार मुख्यमंत्री, पंकज अग्रवाल आईएएस मुख्य सचिव सिंचाई विभाग, वीरेंद्र सिंह ई आई सी सिंचाई विभाग से भी बैठक की। इस दौरान विधायक ने एक लिखित माँग पत्र भी मुख्यमंत्री के प्रधान मुख्य सचिव को सौंपा है। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि प्रदेश में भीषण गर्मी के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है एसे में नूंह- फरीदाबाद- पलवल जिलों में पानी आपूर्ति को रोकना सरासर ग़लत है। ये बेहद गंभीर मामला है जिससे किसानों के साथ साथ ग्रामीण भी प्रभावित हो रहे हैं। कॉग्रेस विधायक दल के उप नेता आफताब अहमद ने कहा कि उनसे नूंह जिले के किसानों और स्थानीय लोगों ने मिलकर गुहार लगाई है कि सिंचाई के लिए पानी आपूर्ति नहीं हो रही है क्योंकि विभाग ने नहर में पानी छोड़ना बीते चार दिनों से बंद कर रखा है

जिससे उन्हें खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधायक आफ़ताब अहमद ने कहा कि हरियाणा के हिस्से का पानी उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा है,

मुख्यत नूँह- पलवल- फ़रीदाबाद- गुड़गाँव ज़िले प्रभावित हुए है, इसके अलावा ये नहरी पानी राजस्थान के कुछ ज़िलों की भी प्यास बुझाता था, लेकिन अब राजस्थान के लोग भी तंग हो गए हैं।

विधायक आफताब अहमद ने अधिकारियों से कहा कि बिना नहरी पानी नूंह जिले के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गर्म लू और उच्च तापमान के कारण पानी की मांग वैसे ही पूरे हरियाणा में बढ़ गई है लेकिन आपूर्ति बढ़ाने के बजाय उसे रोक देना सरासर ग़लत और अमानवीय है

जिसके कारण ना केवल इंसानों को बलिक जानवरों व पिक्षयों को भी प्रभावित होना पड़ रहा है। विधायक आफताब अहमद ने जोर देकर तत्काल प्रभाव से पानी नहरों में छोड़ने के लिए कहा है। गाँवों में तालाबों को पानी से भरने के लिए भी विधायक ने कहा है

ताकि ग्रामीणों को चिलचिलाती गर्मी में परेशानी ना पेश आये। अधिकारियों ने विधायक को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द नहरों में पानी आपूर्ति चालू कर दी जायगी और तालाबों को भी पानी से भरा जाना तय किया जाएगा।

स्कूल बस हादसा के एमडी को 14 दिन के लिए भेजा जेल

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना । स्कूल के एमडी को 4 दिन के पुलिस रिमांड के बाद किया कोर्ट में पेश -एसडीजेएम कोर्ट ने 14 दिन के लिए भेजा नसीबपुर जेल -अब तक 9 आरोपियों की हो चुकी गिरफ्तारी गांव के समीप बीती 11 अप्रैल को घिटत जीएल स्कूल बस हादसे में संलिप्त स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर सुभाष लोढा को 4 दिन के पुलिस रिमांड के बाद मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां एसडीजेएम कोर्ट कनीना ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में नसीबपुर जेल भेज दिया। स्कूल बस सडक हादसे में झाडली गांव के 4 तथा धनौंदा के दो सहित 6 निर्दोष विद्यार्थियों की अकाल मौत हो गई थी तथा दो दर्जन विद्यार्थी घायल हो गए थे। पुलिस ने हादसे के बाद 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था जबकि एमडी भूमिगत हो गया था।

पुलिस की अच्छी पैरवी के कारण एमडी द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल की गई अिग्रम जमानत याचिका खारिज हो गई थी।उम्मीद टूटने के बाद 4 दिन पूर्व एमडी सुभाष लोढा ने एसडीजेएम कोर्ट कनीना में सरेंडर कर दिया था। कोर्ट ने शामिल तफ्तीश होने के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

29 से शुरू होगी कॉलेजों में दाखिला प्रक्रिया

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना । बोर्ड कक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद विद्यार्थयों की उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज की दाखिला प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इस संदर्भ में राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हाणी के प्राचार्य डॉ विक्रम सिंह ने बताया कि एसीएस हायर एजूकेशन की ओर से प्रदेश के सभी सरकारी,एिडड तथा सेल्फ फाइनेंनस कॉलेज के प्राचार्य को पत्र जारी कर दिया गया है। शिक्षा-सत्र 2024-25 के लिए केंद्रीय ऑनलाईन लाईन यूजी दाखिला शेड्यूल जारी किया गया है। पत्र के मुताबिक 29 मई से 1 जून तक विद्यार्थी कॉलेज डिटेल आवेदन कर सकेगें। 3 जून से 25 जून तक विद्यार्थी पोर्टल पर ऑनलाईन दाखिला आवेदन कर सकेगें।

3 से 26 जून तक विद्यार्थी आवेदन की जांच कर गलती दुरूस्त कर सक सकेगें जो ओटीपी बेस होगा। 5 से 28 जून तक ऑनलाईन कागजात की वेरिफिकेशन होगी।

2 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी की जायेगी जिसका अंतिम प्रकाशन 3 जुलाई को किया जायेगा।

4 से 8 जुलाई तक चयनित विद्यार्थी फीस अदा कर सकेगें।

9 जुलाई को दूसरी मेरिट लिस्ट आउट की जायेगी। जिसका अंतिम प्रकाशन 10 जुलाई को किया जायेगा। मेरट सूचि में चयनित विद्यार्थियों द्वारा 10 से 12 जुलाई तक फीस अदा की जा सकती है।

15 जुलाई को तीसरी मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी।

राकेश कादियान ने नूंह जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। रोशन राकेश कादियान (जिला जेल नूह कर्मचारी) मिशन सेवन समिट के तहत 23 मई को विश्व की पहली सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट(8848 मीटर) ओर 25 मई को विश्व की चौथी ऊंची चोटी माउंट लोहतसे (8516 मीटर) पर भारत देश का झंडा फहराकर मेवात जिले का नाम पूरे विश्व मे एक बार फिर रोशन करके देश का पहला पर्वतारोही होने का गौरव अपने नाम किया! 45 वर्ष की उम्र पूर्ण करने के बाद ओर लगातार 21 वर्ष सरकारी सेवारत रहते हुए राकेश कादियान ने ये उपलिब्ध हासिल करने वाला भारत देश का पहला पर्वतारोही होने का गौरव मेवात के नाम किया। राकेश ने बताया कि वह अब 1 साल के अंदर अंदर विश्व के सभी 7 महाद्वीपों की ऊंची चोटियों पर भारत देश का झंडा फहराकर देश का पहला पर्वतारोही बन कर मेवात का नाम रोशन करने की त्यारी कर रहा है। इससे पहले भी राकेश कादियान अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो पर केवल 15 घण्टे ओर 53 मिनट में तिरंगा फहराने पर 42 वर्ष की उम्र में भारत देश का प्रथम पर्वतारोही होने का गौरव अपने नाम कर चुका है।

इससे पहले राकेश कादियान ने भारत देश की ऊंची चोटी मांउट सतोपंथ 7100 मीटर, माउंट नून 7135 मीटर, कांग यात्से-1 को जो 6400 मीटर ऊंची है पर तिरंगा फहराया है। तथा राकेश कादियान जेल विभाग हरियाणा काप्रथम अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही होने का गौरव भी अपने नाम कर चुका है। राकेश कादियान राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मास्टर एथलेटिक्स में अब तक 40 स्वर्ण पदक तथा 37 रजत पदक जीत कर हरियाणा प्रदेश का नाम भी भारत वर्ष में रोशन कर चुका है।

जेल अधीक्षक बिमला देवी ने बताया कि राकेश कादियान की इस उपलिब्ध से पूरा जेल स्टाफ ओर मेवात छेत्र में बहुत खुशी की लहर है और जेल प्रशाशन ओर छेत्र के लोग उनका वापस आने का इंतजार कर रहे हैं मेवात पहुंचने पर राकेश का भव्य स्वागत किया जाएगा।

दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच सीधे धूप में निकलने से रखे परहेजः उपायुक्त

» बच्चों को वाहनों में न जाए छोडकर, लू लगने का बना रहता है खतरा

» - उल्टी, घबराहट, तेज सिर दर्द,सीने में दर्द व सांस लेने में कठनाई होने पर तुरंत चिकित्सक से ले परामर्श

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष धीरेंद्र खडगटा ने कहा है कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है

कि गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। धूप में घूमने वालों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है।

धीरेंद्र खडगटा ने कहा कि लू से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों की जानकारी लेते रहें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू-पानी आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।

उन्होंने कहा कि बच्चों को वाहनों में छोडकर न जाएं। इससे उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।

नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत-खिलहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में आसरा लें।

उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाएं।

यदि बच्चे को चक्कर आएं, उल्टी, घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

उन्होंने कहा कि एडवाइजरी में कहा गया है कि जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं।

अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें, जानवरों को किसी बंद जगह में न रखें,

यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं।

किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।

करवाया जाए कैंसर अस्पताल का निर्माण

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। जिला नूँह में कैंसर के रोगियों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय बनती जा रही है। जिला में कैंसर के रोग का उपचार के लिए अस्पताल ना होने की वजह से रोगियों का अपना उपचार करवाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।उक्त विचार सर्व जातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष व समाजसेवी रजत जैन ने कहा की जिला नूँह में कैंसर अस्पताल की सुविधा ना होने की वजह से कैंसर से पीड़ित रोगियों को दिल्ली, जयपुर आदि दूर दराज के स्थानों पर जाकर अपना उपचार करवाना पड़ता है।

उपचार अत्याधिक महंगा होने की वजह से अधिकांश जनता पूर्ण रूप से अपना उपचार नहीं करवा पाती है और इलाज बीच में ही अधूरा रह जाता है। आर्थिक व शैक्षणकि रूप से कमजोर जनता उपचार कराना तो दूर की बात है व उचित समय पर ठीक प्रचार से इसकी जांच तक नहीं करवा पाती है।जिसकी वजह से कई रोगी अकाल मृत्यु के गाल के काल में समा जाते हैं।रजत जैन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी नूँह की स्थिति को ध्यान में रखते हुए एक अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सरकारी कैंसर अस्पताल का निर्माण करवाएं।

जिसमें जिला नूँह के अलावा अन्य जिलों की जनता के साथ साथ अन्य प्रदेशो की जनता भी इस अस्पताल की सेवाएं प्राप्त कर कैंसर का उपचार समय पर करवा कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें।

ट्रक और ट्रैक्टर के बीच फंसा ई-रिक्शा, अलग-अलग हादसे में 2 की मौत और 8 घायल

समाचार गेट/एजेंसी

अररिया। बहार के अररिया में मंगलवार को रफ्तार का कहर देखने को मिला। एनएच 57 फोरलेन सडक पर दो अलग अलग हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि आठ लोग घायल हो गए। पहली घटना नरपतगंज थाना क्षेत्र के नरपतगंज-फारिबसगंज मुख्य फोरलेन सडक मार्ग में थलहा के समीप घाटी। जहां ट्रक और ट्रैक्टर के बीच में ई-रिक्शा के फंस जाने के कारण ई-रिक्शा पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। जबकि हादसे में ई-रिक्शा चालक समय चार अन्य लोग घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना फारिबसगंज थाना क्षेत्र के रामपुर ओविरब्रज के पास घिटत हुई। जहां ट्रक और चार पिहया कार के बीच टक्कर में कार में सवार चार लोग घायल हो। जिन्हे स्थानीय लोगों के मदद से आनन फानन में फारिबसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नरपतगंज थाना क्षेत्र में हुए हादसे में सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से नरपतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद चारों को फारिबसगंज अनुमंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे में ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सडक जाम के कारण वाहनों की लग गई लंबी कतारमृतकों में एक मदरसा का मौलाना है, जबकि दूसरा मदरसे के 12 साल का एक छात्र है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने खैरा नहर के पास शव को सडक पर रख कर जाम कर दिया है। जिसके कारण फोरलेन सडक के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई है। प्रदर्शन कर रहे लोग मुआवजे की मांग कर रहे हैं। सूचना के बाद नरपतगंज के प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद, अंचलाधिकारी रविंद्र कुमार, थाना अध्यक्ष कुमार विकास पुलिस वालों के साथ मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। वहीं घायलों को नरपतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए भिजवाया। नरपतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद चारों की नाजुक हालत को देखते हुए फारिबसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। मृतक की पहचान सहरसा जिले के भेलाई निवासी गढिया स्थित दारुल उलूम आबू ताल्हा मदरसा के मौलाना मोहम्मद सलमान पिता-मोहम्मद जमीरउद्दीन और 12 वर्षीय मदरसे के छात्र भरगामा निवासी मोहम्मद इकबाल पिता- मोहम्मद मुख्तार के रूप में की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गढिया स्थित दारुल उलूम आबू ताल्हा मदरसा के मौलाना अपने चार छात्रों के साथ ई-रिक्शा से रामघाट कुरान खानी में जा रहे थे। इसी बीच थलहा नहर के समीप रामघाट से मकई लदा ट्रैक्टर एनएच पर चढाई कर रहा था और इसी दौरान ट्रैक्टर और ट्रक के बीच ई-रिक्शा फस गया। दोनों तरफ से टक्कर होने के कारण ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उस पर सवार दो लोगों की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। घटना के विरोध में स्थानीय लोग सडक जाम कर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। जिसे मौके पर मौजूद अधिकारी और थानाध्यक्ष ने कार्रवाई के साथ साथ मुआवजा के लिए समुचित पहल के आश्वासन के बाद स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधियों के मदद से समझा बुझाकर जाम को छुडवाया।

गले में पीला पटका, हाथ जोड़े आए और योगी के चरणों में बैठ गए... अरविंद राजभर

समाचार गेट/एजेंसी

मऊ। सोशल मीडिया पर यूपी के मऊ जिले का एक वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल एक चुनावी सभा में मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ मंच पर बैठे हुए हैं। यहां से सुभासपा प्रत?याशी अरविंद राजभर उनके सामने हाथ जोड़ते हुए आते हैं और घुटनों के बल पर बैठकर प्रणाम करते हैं। सीएम योगी भी अरविंद की पीठ थपथपाकर उन?हें आशीर्वाद और शाबाशी दी। अरविंद राजभर ओपी राजभर के बेटे हैं। सीएम योगी से इस अंदाज में आशीर्वाद लेने की चर्चा लोग कर रहे हैं। इस दौरान मंच पर ओपी राजभर भी योगी के बगल में बैठे नजर आ रहे हैं।गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के ऐलान से पहले सुभासपा एनडीए में शामिल हो गई थी। गठबंधन के तहत सुभासपा को घोसी लोकसभा सीट मिली है। यहां से ओपी राजभर ने अपने बेटे अरविंद राजभर को उम?मीदवार बनाया है।

कुछ समय पहले डिप?टी सीएम ब्रजेश पाठक और अरविंद राजभर से जुड़ा वीडियो भी काफी वायरल हुआ था।

इसमें ब्रजेश पाठक मऊ के पुराने बीजेपी नेताओं के सामने अरविंद राजभर से कान पकड़वा कर माफी मंगवा रहे थे।

मोदी इस बार जीते तो सबको फ्री बिजली देंगे: राजभर

मऊ की रैली में ओपी राजभर ने कई ऐलान भी किए। उन?होंने कहा कि भीषण गर्मी में हर कोई बिजली कटौती से त्रस?त है। नरेंद्र मोदी जब इस बार पीएम बनेंगे तो सबको मुफ्त बिजली देंगे। आपको बता दें कि घोसी सीट पर सातवें चरण में 1 जून को वोटिंग होनी है।

छह चरणों के मतदान के बाद बीजेपी समेत सभी दलों ने पूर्वांचल की 13 लोकसभा सीटों पर अपनी सारी ताकत झोंक दी है।

आईएएस मनीष रंजन से ईडी ऑफिस में पूछताछ

समाचार गेट/एजेंसी

रांची। आईएएस अधिकारी और झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व सचिव मनीष रंजन मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय के रांची एयरपोर्ट रोड स्थित जोनल ऑफिस पहुंचे। ईडी की टीम मनीष रंजन से ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर घोटाला मामले में पूछताछ करेगी और इनका बयान दर्ज करेगी।

मनीष रंजन ने तीन सप्ताह की समय की मांग की थी

मनीष रंजन को इससे पहले 22 मई को समन जारी कर 24 मई को बुलाया गया था, लेकिन वो उस तारीख में उपस्थित नहीं हो सके और ईडी से अगली तारीख मांगी थी। इसके बाद ईडी ने उन्हे फिर से समन जारी कर 28 कई को पूछताछ के लिए बुलाया था।

मंत्री आलमगीर आलम के सामने होगी पूछताछ

टेंडर कमीशन घोटाला मामले ईडी अबतक मंत्री आलमगीर आलम, उनके ओएसडी रहे संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में अबतक आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 6 मई को ईडी की टीम ने रांची में संजीव लाल और जहांगीर आलम के आवास पर छापेमारी कर 37 करोड रूपये कैश बरामद किये। दो दिनों तक चले इस मामले की छापेमारी में 37 करोड रूपये की बरामदगी हुई और विभाग में कमीशनखोरी से जुडे कई कागजात और पुर्चे भी मिले थे। जिसमें कमीशन का प्रतिशत और कमीशन लेने और देने वालों के नाम और कोड लिखे गये थे।

इसी मामले पर आगे की कार्रवाई करते हुए ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया और फिर उनके विभाग में सचिव रहे मनीष रंजन को पूछताछ के लिए समन भेजा।

मनीष रंजन अभी भू- राजस्व विभाग में सचिव है।

ऐसी संभावना है कि अब मनीष रंजन और आलमगीर आलम को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ होगी।

कट गए 600 पेड़, अयोध्या में श्रद्धालु कैसे करेंगे पंचकोसी परिक्रमा?

समाचार गेट/एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में राम पथ के साथ ही पंचकोसी परिक्रमा पथ को भी चौड़ा कर दिया गया। मार्ग को चौड़ा करने के लिए इसकी जद में आए सैकड़ों बड़े पेड़ काट दिए गए। अब पूरा परिक्रमा पथ बिना पेड़ों के झुलस रहा है। दूर-दूर तक कोई पेड़ नहीं दिखाई देता है। सबसे ज्यादा दिक्कत उन श्रद्धालुओं को हो रही है जो हर महीने पड़ने वाली एकादशी, पूर्णिमा और विभिन्न उत्सवों पर अयोध्या की परिक्रमा करते थे। अब परिक्रमा के दौरान थकान लगने पर सुस्ताने के लिए न पेड़ बचे हैं और न कोई शेड। इससे पहले रामपथ के चौड़ीकरण के दौरान भी 600 से ज्यादा पेड़ काटे गए थे। वहीं परिक्रमा मार्ग पर करीब 2200 पेड़ काटे जाने हैं।

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का काफी क्षेत्र ग्रीन बेल्ट के रूप में था। परिक्रमा के दौरान यहां से आने-जाने वालों को हरे-भरे पेड़ों की सुंदरता और छाया बरबस आकर्षित करती थी। नित्य सरयू आरती समिति के अध्यक्ष महंत शशिकांत दास कहते हैं कि वृक्ष मानव के जीवन दाता हैं। श्रद्धालुओं के लिए परिक्रमा पथ का चौड़ीकरण किया जा रहा है, यह अच्छी बात है लेकिन वर्षों पुराने पेड़ों को बचाना भी इनका कर्तव्य है। शशिकांत दास ने बताया कि 14 कोसी और पंचकोसी परिक्रमा वर्ष में एक बार होती है, लेकिन हर महीने की एकादशी में श्रद्धालु और अयोध्या के संत-महंत परिक्रमा करते हैं। ऐसे में

इस गर्मी में परिक्रमा पथ पर चलना मुश्किल भरा होगा। उन्होंने बताया कि कभी यह इलाका हजारों पक्षियों का आश्रयस्थल था। पक्षियों का कलरव गूंजता था। अब उस जगह पर नालों का निर्माण करवाया जा रहा है।

अवध यूनिवर्सिटी के पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. जसवंत सिंह के मुताबिक पर्यावरण और बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के लिए पेड़-पौधे जरूरी हैं। पेड़-पौधों की संख्या कम होने से धरातल पथरीला हो जाता है। तापमान परावर्तन की दर बढ़ जाती है। पेड़ों को ज्यादा संख्या में काटने से मिट्टी की जैविक प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि वन विभाग को चाहिए कि पेड़ों को काटने के बचाए उन्हें किसी दूसरी जगह शिफ्ट कर दे। साथ ही जो पेड़ काटे हैं उनकी जगह नए पेड़-पौधे लगाए जाने चाहिए।

पेड़ लगाने की जगह नहीं बची!

वन विभाग के डिप?टी डीएफओ केएन सुधीर का कहना है कि रामपथ से लेकर परिक्रमा पथ पर सड़कों के चौड़ीकरण में लगी कार्यदायी संस्थाओं ने पेड़ लगाने के लिए जगह नहीं छोड़ी। उनसे बार-बार जगह की मांग की जा रही है। कार्यदायी संस्थाओं ने अगर जगह दी होती तो नियमानुसार एक पेड़ की जगह 10 पेड़ लगाने का काम पूरा हो गया होता। अब वन विभाग इसकी भरपाई बारिश में कहीं और पेड़ लगवा कर पूरा करेगा। हालांकि, कोशिश की जा रही है कि जहां पेड़ काटे जा रहे हैं, उसी के आसपास पौधरोपण के लिए जगह मिल जाए।

चारधाम के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन खोलने पर हो रहा विचार

समाचार गेट/एजेंसी

देहरादून। चारधाम यात्रा के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद होने के कारण तीर्थ यात्रियों को हरिद्वार और ऋषिकेश में ही रोका जा रहा है। इसके चलते हजारों यात्री ऋषिकेश हरिद्वार में फंसे हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने ऋषिकेश पहुंचे। यहां फंसे हुए तीर्थ यात्रियों से बात की और उनकी परेशानी भी सुनी। उनको दिलासा दिया कि किसी भी श्रद्धालु को बिना दर्शन के वापस नहीं लौटाया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन खोलने पर भी विचार कर रही है। वहीं, मौसम की मार के चलते चारधाम से लौटकर आ रहे तीर्थयात्रियों की तबीयत बिगड़ रही है। चारधाम से लौटे 60 प्रतिशत यात्रियों में खांसी, जुकाम और बुखार के लक्षण मिले हैं। माना जा रहा है कि मैदानी राज्यों के तीर्थ यात्री पर्वतीय मौसम में खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं।

चारधाम की यात्रा करके ऋषिकेश स्थित ट्रांजिट कैंप लौटे यात्रियों में से करीब 2150 यात्रियों ने जांच कराई है, जिनमें 1296 यात्री सर्दी से पीड़ित पाए गए हैं। ट्रांजिट कैंप के चिकित्सा केंद्र प्रभारी विजय गौड के अनुसार, ज्यादातर यात्री राजस्थान, मध्य प्रदेश,

उत्तर प्रदेश, झारखंड, दिल्ली, कर्नाटक से हैं। ये लोग चारधाम यात्रा के तापमान में खुद ढाल नहीं पाते। यात्री चारधाम में ठंड की स्थिति को गंभीरता से नहीं लेते हैं। ठंड से बचाव के उपयुक्त साधन लेकर भी नहीं चलते। इस कारण अचानक बर्फीले तापमान के बीच रहकर यात्रियों को ठंड लग जाती है। गौरतलब है कि उत्तराखंड में मौसम के तेवर मैदान से लेकर पहाड़ तक हैरान करने वाले हैं। मैदानी इलाकों में हवाएं झुलसा रही हैं। देहरादून का तापमान सामान्य से चार डिग्री के इजाफे के साथ 40 डिग्री के पार पहुंच गया।सालरा गांव में छह घर जलकर राखभीषण गर्मी के चलते उत्तरकाशी जिले के मोरी ब्लॉक के दूरस्थ सालरा गांव में हुए अग्निकांड में छह आवासीय घर जलकर राख हो गए। हालात इतने बदत्तर हो गए कि राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए हेलिकॉप्टर भेजे जाने के लिए सेना से अनुरोध करना पडा।

पहली रात पति की बातें सुन दंग रह गई दुल्हन

समाचार गेट/एजेंसी

बरेली: यूपी के बरेली से तीन तलाक का अनोखा मामला सामने आया है। निकाह के बाद सुहागरात को ही पति ने पत्नी को किन्नर करार दे दिया। आरोप है कि पति ने कहा कि तुम्हारी बहन बहुत खूबसूरत है। उसने उसके साथ छेड़छाड़ भी शुरू कर दी। मायके वालों ने बेटी का मेडिकल कराया जिसमें उसके महिला होने की पुष्टि हुई। इसके बावजूद पति नहीं माना। उसने दो लाख रुपये दहेज लाने के लिए कहा। न लाने पर घर से बाहर निकाल दिया।

पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया है।यह पूरा मामला इज्जतनगर के एक गांव का है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया है कि बीते 19 मई को उसका निकाह हुआ था। पहली ही रात पति ने उसे स्वीकार करने से इन्कार कर दिया। पति ने कहा कि तुम संपूर्ण महिला नहीं हो। किन्नर हो। मैं तेरे साथ नहीं रहूंगा। महिला की बहन भी साथ आई थी।

आरोप है कि पति ने साली के साथ अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दीं। पति ने कहा कि ससुराल वालों ने कम दहेज दिया है।

ज्यादा दहेज लेकर आओगी तभी घर में रहने दूंगा।पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया हैमहिला की शिकायत पर इज्जतनगर थाना पुलिस छानबीन कर रही है।

महिला ने अपनी शिकायत में यह आरोप भी लगाया है कि पति और ससुरालवालों ने उसका सारा सामान भी हड़प लिया है।

पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया है ताकि मामले का कुछ हल निकाला जा सके पिछले बंद भाव से 35 डॉलर कम है।

चांदी भी गिरावट के साथ 30.45 डॉलर प्रति औंस पर रही।इतना सस्ता हुआ सोनासोने की कीमतों में काफी गिरावट देखने को मिली है। सोना 74,367 रुपये से गिरकर 71,500 रुपये है।

सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने दिया झटका

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस पर निर्णय ष्टछ्ठड्ड डी वाई चंद्रचूड़ करेंगे। बता दें कि केजरीवाल ने मेडिकल टेस्ट के लिए अंतरिम जमानत की अविध को एक हफ्ते बढ़ाने की मांग की थी। उनकी जमानत 2 जून को खत्म हो रही है।

केजरीवाल के वकील ने की थी तत्काल सुनवाई की मांग

सीएम केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने स्वास्थ्य के आधार पर उनकी जमानत की डेट को बढ़ाने की मांग की थी। सिंघवी ने अदालत से अंतरिम जमानत को 7 दिन बढ़ाने की मांग करते हुए सुनवाई की मांग की थी, लेकिन अब कोर्ट ने इस याचिका को सुनने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल के वकील ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कोर्ट से डेट आगे बढ़ाने की मांग की थी। केजरीवाल ने कहा- उनका कीटोन लेवल तेजी से बढ़ रहा

सीएम केजरीवाल ने बताया कि उनका कीटोन लेवल बढ़ रहा है। इसके चलते उनका वजन 7-8 किलो कम हो गया है। कीटोन का स्तर बढ़ने से कई गंभीर बीमारी जैसी किडनी की समस्या और कैंसर भी दस्तक दे सकता है। केजरीवाल चाहते हैं कि उन्हें एक हफ्ते अपनी जांच कराने के बाद 9 जून को तिहाड़ जेल वापस जाने की इजाजत दी जाए।

भूपेश बघेल ने पीएम मोदी को बताया मानिसक रूप से अस्थिर

समाचार गेट/एजेंसी

लोकसभा चुनाव के बीच बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे पर लगातार हमलावर हैं। पीएम मोदी अपनी रैलियों में कांग्रेस पर जमकर वार कर रहे हैं। वह कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर भी कई सारी बातें कही हैं। वहीं दूसरी ओर नेहरू को लेकर भी बीजेपी के नेता लगातार बयान देते नजर आ रहे हैं। इन सभी बयानों को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जवाब दिया है। उन्होंने पीएम मोदी को कहा है कि वे मानिसक रूप से अस्थिर हैं।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने पीएम मोदी के बयान पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि आजकल प्रधानमंत्री जो चाहें कहते हैं। उन्होंने हमारे घोषणापत्र को मुस्लिम लीग, मंगलसूत्र, मटन, मछली और भैंस का एजेंडा बताते हुए शुरु आत की। अब वह कह रहे हैं कि परमात्मा ने उन्हें भेजा है, जिसका अर्थ है कि वह एक सामान्य इंसान नहीं है। इससे पता चलता है कि वह मानिसक रूप से अस्थिर है।

पीएम मोदी पर बरसे बघेल

राहुल गांधी उस नेता के पोते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान को दो टुकड़ों में काट दिया था, लेकिन मोदी जी वो व्यक्ति हैं जो बिना बुलाए बिरयानी खाने के लिए पाकिस्तान गए थे। अटल जी बस में लाहौर गए थे।

पीएम मोदी के संबंध हैं पाकिस्तान से कांग्रेस का नहीं हो सकता। भूपेश बघेल से जब पूछा गया कि पीएम मोदी नेहरू को लेकर तमाम सारी बातें करते हैं इस पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी नेहरू को बदनाम करके अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह नेहरू के पैरों की धूल भी नहीं हैं। वह 10 बार जन्म लेने पर भी नेहरू नहीं बन सकते हैं। नेहरू जी ने देश के आजादी के लिए सर्वाधिक समय जेल में बिताया है।

नोएडा एयरपोर्ट के पास सस्ते प्लॉट खरीदने का मौका !

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आप नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास सस्ते प्लॉट की तलाश कर रहे हैं तो आपके पास सुनहरा मौका आने वाला है। आप नोएडा एयरपोर्ट के पास मकान बनवाने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। पिछले साल आवासीय भूखंड योजना की सफलता के बाद, यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण इसी तरह की योजना शुरू करने जा रही है। यमुना प्राधिकरण नोएडा हवाई अड्डे के पास लगभग 6,500 आवासीय भूखंडों के लिए योजना शुरू करेगा। इसकी तैयारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद इस स्कीम का ऐलान किया जाएगा। इस बार, इस योजना के तहत, प्राधिकरण 200 वर्ग मीटर से 4,000 वर्ग मीटर के बीच के बड़े आवासीय भूखंडों के अलावा 30 वर्ग मीटर तक के करीब 6,000 छोटे भूखंडों को बिक्री के लिए रखने की योजना बना रहा है। मामले से अवगत अधिकारियों ने बताया कि ये भूखंड आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित तीन सेक्टरों में आवंटित किए जाएंगे।मध्यमवर्ग को रखा जा रहा ध्यान मेंरिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी तक यमुना अथॉरिटी ने जो बड़े साइज के प्लॉट लॉन्च किए थे वो आम आदमी की पहुंच से बाहर थे। अब अथॉरिटी मध्यमवर्ग को ध्यान में रखकर सस्ते प्लॉट की स्कीम लाई जा रही है। इसमें 30 वर्ग मीटर के साइज के जो छोटे प्लॉट होंगे उनकी कीमत 8 से 10 लाख रुपये होने का अनुमान है। ऐसे करीब 6 हजार प्लॉट्स होंगे। वहीं बड़े आवासीय प्लॉट्स की कीमत 24 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर हो सकती हैं। ऐसे करीब 500 प्लॉट लॉन्च करने की तैयारी है।

मध्यमवर्ग को रखा जा रहा ध्यान में

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी तक यमुना अथॉरिटी ने जो बड़े साइज के प्लॉट लॉन्च किए थे वो आम आदमी की पहुंच से बाहर थे। अब अथॉरिटी मध्यमवर्ग को ध्यान में रखकर सस्ते प्लॉट की स्कीम लाई जा रही है। इसमें 30 वर्ग मीटर के साइज के जो छोटे प्लॉट होंगे उनकी कीमत 8 से 10 लाख रुपये होने का अनुमान है। ऐसे करीब 6 हजार प्लॉट्स होंगे। वहीं बड़े आवासीय प्लॉट्स की कीमत 24 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर हो सकती हैं। ऐसे करीब 500 प्लॉट लॉन्च करने की तैयारी है।मध्यमवर्ग को रखा जा रहा ध्यान मेंरिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी तक यमुना अथॉरिटी ने जो बड़े साइज के प्लॉट लॉन्च किए थे वो आम आदमी की पहुंच से बाहर थे। अब अथॉरिटी मध्यमवर्ग को ध्यान में रखकर सस्ते प्लॉट की स्कीम लाई जा रही है। इसमें 30 वर्ग मीटर के साइज के जो छोटे प्लॉट होंगे उनकी कीमत 8 से 10 लाख रुपये होने का अनुमान है। ऐसे करीब 6 हजार प्लॉट्स होंगे। वहीं बड़े आवासीय प्लॉट्स की कीमत 24 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर हो सकती हैं।

दो सेक्टर्स में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में गौतम अडानी

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप डिजिटल पेमेंट्स और ई-कॉमर्स सेक्टर में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप यूपीआई लाइसेंस के लिए अप्लाई कर सकता है। साथ ही अडानी ग्रुप की को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की भी योजना है। इसके लिए उसकी कई बैंकों के साथ बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक ग्रुप ओएनडीसी के जरिए ऑनलाइन शॉपिंग सिर्वसेज मुहैया कराने पर भी विचार कर रहा है। अगर यह योजना सफल होती है तो अडानी ग्रुप अपने सुपरऐप अडानी वन के जरिए ये सिर्वसेज दे सकता है। यह ऐप 2022 में लॉन्च किया गया था। इसके जरिए कंपनी फ्लाइट और होटल बुकिंग जैसी सिर्वसेज देता है।

अडानी ग्रुप के कंज्यूमर बिजनसेज के सीनियर वाइस-प्रेजिडेंट और चीफ डिजिटल ऑफिसर नितिन सेठी ने दिसंबर 2022 में एक लिंक्डइन पोस्ट में लिखा था कि हमारा सामूहिक प्रयास एक डिजिटल ट्विन बनाने का है जो अंततः हमारे परंपरागत बिजनसेज के समानांतर होगा।

पिछला साल अडानी ग्रुप के लिए काफी उथलपुथल भरा रहा था। जनवरी में हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट से ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इससे ग्रुप का मार्केट कैप 150 अरब डॉलर से अधिक गिर गया था। लेकिन अब ग्रुप ने काफी हद तक इसकी भरपाई कर ली है। ग्रुप के कई शेयर हिंडनबर्ग रिसर्च से पहले के दौर में पहुंच चुके हैं।अडानी की नेटवर्थ

गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस साल 25 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर है। अडानी एशिया और भारत में मुकेश अंबानी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 114 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ 17.3 अरब डॉलर बढ़ी है। अंबानी और अडानी की नेटवर्थ में अब केवल पांच अरब डॉलर का फासला रह गया है। अडानी ग्रुप का कारोबार पोर्ट्स से लेकर पावर तक कई सेक्टर्स में फैला है। ग्रुप की दस लिस्टेड कंपनियां हैं।

लीज पर लिया 649,000 वर्ग फुट का ऑफिस स्पेस, किराया जानकर रह जाएंगे दंग

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। गूगल भारत में अपने ऑफिस का विस्तार कर रहा है। इस रणनीति के तहत गूगल ने अब 649,000 वर्ग फीट का बड़ा ऑफिस स्पेस तीन साल के लिए लीज पर लिया है। यह ऑफिस स्पेस गूगल ने बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड स्थित एलेम्बिक सिटी में लिया है। इस जगह के लिए गूगल 62 रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से मासिक किराया चुकाएगा। जानकारों के मुताबिक, गूगल ने यह कदम देश के प्रमुख शहरों में अपनी उपिस्थति को मजबूत करने के लिए उठाया है। इससे पहले साल 2022 में अमेरिकन टेक्नोलॉजी ग्रुप की सहायक कंपनी, गूगल कनेक्ट सिर्वसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने हैदराबाद में करीब 6 लाख वर्ग फुट ऑफिस स्पेस के लिए अपने किराये के समझौते का नवीनीकरण किया था। कंपनी ने बैगमैन डेवलपर्स के साथ बैंगलोर में 1.3 मिलियन वर्ग फुट ऑफिस स्पेस लीज पर लेने के लिए भी सहमति व्यक्त की।तेजी से बढ़ा रहा ऑफिस स्पेसजानकारों के मुताबिक, साल 2020 से भारत में गूगल के ऑफिस स्पेस पोर्टफोलियो में 3.5 मिलियन वर्ग फुट का इजाफा हुआ है। बताया कि कंपनी का भारत के 5 शहरों में 9.3 मिलियन वर्ग फुट से ज्यादा अचल संपित्त क्षेत्र मौजूद है। कंपनी ने भारतीय बाजार में महत्वपूर्ण निवेश की योजना बनाई है। इसमें तमिलनाडु में फॉक्सकॉन की सुविधा में स्मार्टफोन बनाने और राज्य में स्वतंत्र ड्रोन निर्माण शुरू करने का प्लान शामिल है। गूगल का लक्ष्य भारत में पिक्सल स्मार्टफोन का प्रोडक्शन शुरू करना है, जिसकी शुरुआत पिक्सल 8 मॉडल से होगी। रिपोर्टों से यह भी पता चलता है कि कंपनी तेजी से बढ़ते बाजार भारत में कुछ भूमिकाओं को स्थानांतरित कर रही है।भारत पर बढ़ा है भरोसागूगल ने इस महीने की शुरुआत में एक ब्लॉग पोस्ट में कहा था, "भारत पिक्सल स्मार्टफोन के लिए एक प्राथमिकता वाला बाजार है और हम अपने सर्वश्रेष्ठ हार्डवेयर और अंतिर्न हित सॉफ्टवेयर क्षमताओं को देश भर के लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

" भारत के कार्यालय बाजार में इस साल जबरदस्त मांग देखने को मिल सकती है, क्योंकि प्रमुख आईटी फर्म महामारी के बाद ऑफ़लाइन काम फिर से शुरू कर रही हैं।

बड़े उद्यम क्लाइंट आने वाले साल में लचीले कार्यस्थलों की मांग में तेज वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

मोदी तीसरी बार पीएम बने तो इकॉनमी का क्या होगा?

समाचार गेट/एजेंसी

साल 2024 से 2026 के बीच देश में बुनियादी ढांचे के विकास पर 534 अरब रुपये खर्च करेगी जिससे 2030 तक नौ फीसदी इकनॉमिक ग्रोथ हासिल करने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव अंतिम चरण में है। सातवें चरण का मतदान एक जून को होगा और 4 जून को नतीजे घोषित किए जाएंगे। चुनावों में हार-जीत को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने दावे हैं। बीजेपी 400 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर रही है। इस बीच आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का कहना है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम बनें या न बनें, भारत अपनी इकनॉमिक पॉलिसी की राह पर आगे बढ़ता रहेगा। मोदी सरकार की नीतियों के धुर विरोधी माने जाने वाले रघुराम राजन आजकल अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में फाइनेंस के प्रोफेसर हैं।

राजन ने ब्लूमबर्ग टीवी के साथ एक इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय पॉलिसी में काफी निरंतरता है। जो भी सरकार आएगी, वह कई अच्छी चीजों को आगे ले जाएगी। नई सरकार जल्दी ही बजट की घोषणा करेगी। इसमें उन कामों को आगे बढ़ाया जाएगा और साथ ही यह भी देखा जाएगा कि और क्या-क्या बदलाव किए जा सकते हैं। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर की भारी कमी को देखते हुए मोदी सरकार के दौरान इस पर खर्च करना जरूरी था। लेकिन आगे भारत को अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर की क्वालिटी पर ध्यान देना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि इसका फायदा बड़ी कंपनियों तक ही सीमित न रहे।

कैसा होगा बाजार का रिएक्शन

लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि 4 जून को किसकी सरक ार बनती है।

इन चुनावों में बीजेपी के फिर से सरकार बनाने का अनुमान लगाया जा रहा है।

माना जा रहा है कि अगर बीजेपी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाती है तो आर्थिक मोर्चे तक कई बड़े सुधारों को आगे बढ़ाया जा सकता है। वहीं अगर बीजेपी सरकार बनाने में नाकाम रहती है तो बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिल सकती है।

निवेशकों ने कमा लिए 26 लाख करोड़ रुपये

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के नतीजे 4 जून को आएंगे लेकिन निवेशक तब तक इंतजार करने को तैयार नहीं हैं। चुनाव शुरू होने के बाद से सेंसेक्स में 3,500 अंक से अधिक तेजी आ चुकी है और निवेशकों की झोली में 26 लाख करोड़ रुपये आ चुके हैं। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। उस दिन सेंसेक्स 71,816.46 अंक पर था और सोमवार को यह 75,390 अंक तक पहुंचा। इस तरह इसमें इस दौरान 3,570 अंक से ज्यादा तेजी आई है। इस दौरान बीएसई-लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 26.36 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 419.95 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।ऐतिहासिक रुझानों को देखें, तो बाजार की गति फिलहाल रुकने वाली नहीं हैं। पिछले चार चुनावों में रजिल्ट से पहले वाले हफ्ते में बाजार की चाल मिलीजुली रही है। 2004 में जब कांग्रेस की अगुवाई वाले यूपीए ने एनडीए से सत्ता छीनी थी तो निफ्टी में 21.5 फीसदी गिरावट आई थी। 2009 में जब मनमोहन सरकार ने सत्ता बरकरार रखी थी तो रजिल्ट से पहले पांच दिन निफ्टी में करीब 22 फीसदी तेजी आई थी। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार सत्ता में आए थे तो रजिल्ट से पहले वाले हफ्ते में निफ्टी में पांच फीसदी तेजी आई थी। 2019 के चुनावों में निफ्टी 3.5 फीसदी चढ़ा था। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस बार बाजार बीजेपी के 300 सीटें जीतने की उम्मीद में उछल रहा है लेकिन पार्टी को 280 से कम सीटें मिली तो बाजार के लिए मुश्किल हो सकती है।क्या कहते हैं जानकार सीआईओ मनीष सोंथालिया ने कहा कि बाजार बीजेपी को करीब 300 और एनडीए को 330 से 340 सीट मिलने की उम्मीद कर रहा है। अगर एनडीए को 400 सीटें मिलती हैं तो इससे बाजार में तेजी आएगी। लेकिन इसकी संभावना कम ही है। अगर बीजेपी को 280 से कम सीटें मिलती हैं तो यह बाजार के लिए निगेटिव होगा। कुल मिलाकर अगर एनडीए को 320 से 330 सीटें मिलती हैं तो मार्केट न्यूट्रल रहेगा। जेएम फाइनेंशियल का कहना है कि बेस केस सिनेरियो में बीजेपी को चार सीटों का नुकसान हो सकता है जबकि बियर केस और बुल केस में सीट टैली 290 से 310 रह सकती है।लेकिन त्रिशंकु संसद और बीजेपी की हार की स्थिति में बाजार में दबाव देखने को मिल सकता है। यूबीएस का कहना है कि त्रिशंकु संसद की स्थिति में बाजार में अनिश्चितता बढ़ेगी जबकि इंडिया गठबंधन के जीतने पर बाजार एनडीए के दौर से पहले के लेवल पर जा सकता है। बर्नस्टीन का कहना है कि बीजेपी के 330 से 350 सीटें जीतने का अनुमान है जिससे इससे साल निफ्टी डबल डिजिट रिटर्न दे सकता है। ब्रोकरेज का कहना है कि अगर बीजेपी 240 सीटें जीतती है तो इससे नियर टर्म में भारी प्रॉफिट बुकिंग देखने को मिल सकती है। ऐसी स्थिति में मार्केट लो या निगेटिव रिटर्न दे सकता है। बाजार के दिग्गज संजीव भसीन के मुताबिक बाजार में भारी तेजी या गिरावट की संभावना नहीं है।

गोल्डमैन सैक्स को भी अंदाजा हो गया, तभी तो हमारा ग्रोथ अनुमान बढ़ाया

समाचार गेट/एजेंसी

मुंबईः अमेरिकी रीसर्च फर्म और ग्लोबल फाइनेंसियल इंस्टीट्यूशन गोल्डमैन सैक्स ने भारतीय रजिर्व बैंक के बंपर डिविडेंड ट्रांसफर से उत्साहित है। तभी तो उसने भारत के निरंतर विक ास गति की उम्मीद करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपने जी डी पी फोरकास्ट को 10 बेसिस पॉइंट बढ़ा दिया है। अब भारत का ग्रोथ अनुमान 6.7 फीसदी कर दिया गया है।

क्या कहा है गोल्डमैन सैक्स ने

गोल्डमैन सैक्स में उभरते बाजार-ों के आर्थिक अनुसंधान के प्रमुख एंड्रयू टिल्टन ने शांतनु सेनगुप्ता और अर्जुन वर्मा के साथ सह-लेखक ने एक नोट में कहा, आगे बढ़ते हुए हम उम्मीद करते हैं कि आर बी आई द्वारा उम्मीद से ज्यादा दिए गए डिविडेंड ट्रांसफर से बुनियादी ढांचे के खर्च के लिए अतिरिक्त फिरिकल स्पेस के साथ निवेश वृद्धि की गति बनी रहेगी। परिणामस्वरूप, हमने हाल ही 2024 के लिए अपने विकास पूर्वानुमानों को 10 बीपीएस से थोड़ा बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है।

क्या आर बी आई कर सकता है ब्याज दरों में कटौती ?

गोल्डमैन सैक्स को यह भी उम्मीद है कि भारतीय रजिर्व बैंक अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में रेपो रेट में कटौती करेगा। एजेंसी ने मैन्यूफैक्तिचरंग कॉस्ट में बढ़ोतरी के कारण मुख्य वस्तुओं के इन्फलेशन में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है।मॉनेटरी पॉलिसी में ढील देने से पहले की दूसरी छमाही में फूड इन्फलेशन का आकलन करने के लिए मॉनसून की प्रगति और खरीफ फसल की बुआई के आंकड़े देखना चाहता है।पिछले बंद भाव से 35 डॉलर कम है। चांदी भी गिरावट के साथ 30.45 डॉलर प्रति औंस पर रही।इतना सस्ता हुआ सोनासोने की कीमतों में काफी गिरावट देखने को मिली है। सोना 74,367 रुपये से गिरकर 71,500 रुपये है।

क्रेडिट कार्ड के नियमों में जून में होने जा रहा बड़ा बदलाव

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो ये खबर आपके काम की है। मई का महीना खत्म होने जा रहा है। अगले महीने यानी जून में कई क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इसका सीधा असर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों पर पड़ेगा। कुछ बैंकों और कार्ड जारीकर्ताओं ने अपने क्रेडिट कार्ड से जुड़े शुल्क, फीस और नियमों में बदलाव किए हैं। क्रेडिट कार्ड धारक ों को इन बदलावों की जानकारी होना जरूरी है, जिससे वह बैंक या कार्ड कंपनी के नए शुल्कों और नियमों का पालन कर सकें। जिन प्रमुख बैंकों ने इस महीने अपने क्रेडिट कार्ड नियमों में बदलाव किए हैं उनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, यस बैंक, आईडीबीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। आईए आपको बताते हैं कि कौन-कौन से क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव हो रहा है।बीओबी कार्ड वनबैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने बॉबकार्ड वन को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर और लेट पेमेंट फीस को बढ़ा दिया है। ये बढ़ी हुई दरें 26 जून, 2024 से प्रभावी होंगी। वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक, यूजर्स बकाया राशि का पूरा भुगतान नियम तारीख तक कर देते हैं तो उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। भुगतान में देरी पर या लिमिट से ज्यादा कार्ड के यूज पर कुछ शुल्क लगाए जाएंगे।

स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्डमीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड, जो एचडीएफसी बैंक के सबसे लोकिप्रय क्रेडिट कार्डों में से एक है, इसमें अब बेहतर कैशबैक दिया जा रहा है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब कई कार्ड जारीकर्ता क्रेडिट कार्ड से जुड़े लाभ और सुविधाओं को कम कर रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, ये बदलाव 21 जून 2024 से प्रभावी होंगे। इसमें स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड में नए कैशबैक नियम लागू होंगे। कमाया गया कैशबैक अब स्विगी ऐप में स्विगी मनी के रूप में दिखाई नहीं देगा, बल्कि 21 जून से यह क्रेडिट कार्ड खाते में दिखाई देगा और इसके चलते अगले महीने के स्टेटमेंट बैलेंस में कमी आएगी।यस बैंकयस बैंक ने 'प्राइवेट' क्रेडिट कार्ड प्रकार को छोड़कर, अपने सभी क्रेडिट कार्डों के विभिन्न एस्पेक्ट्स को संशोधित किया है। ये बदलाव केवल बैंक के कुछ क्रेडिट कार्ड प्रकारों पर फ्यूल फी कैटेगरी को प्रभावित करते हैं। ये बदलाव वार्षिक और ज्वाइनिंग फीस की छूट के लिए एक्सपेंडिचर लेवल की गणना से जुड़े हुए हैं। यूटिलिटी ट्रांजेक्शन के लिए एक्सट्रा फी की शर्तों में भी बदलाव हुआ है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंकआईडीएफसी फर्स्ट बैंक के मुताबिक, जब क्रेडिट कार्ड से यूटिलिटी बिल भुगतान की कुल राशि 20,000 रुपये से अधिक हो जाती है, तो उस पर 1 प्रतिशत + जीएसटी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। हालांकि, पहला प्राइवेट क्रेडिट कार्ड, एलआईसी क्लासिक क्रेडिट कार्ड औरएलआईसी सिलेक्ट क्रेडिट कार्ड पर यह यूटिलिटी शुल्क नहीं लगेगा।

रीडेवलपमेंट के लिए बंद नहीं होगा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का रीडेवलपमेंट इस साल के अंत में या अगले साल शुरू होने की उम्मीद है। इस काम को पूरा होने में करीब साढ़े तीन साल का समय लग सकता है। इस दौरान ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से शहर के अन्य स्टेशनों की ओर डाइवर्ट किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि रीडेवलपमेंट के दौरान स्टेशन को बंद नहीं किया जाएगा लेकिन जरूरत के मुताबिक कुछ ट्रेनों को डाइवर्ट किया जाएगा या उन्हें रेगुलेट किया जाएगा। डिविजनल रेलवे मैनेजर के एग्जीक्यूटिव एडवाइजर प्रेम शंकर झा ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि रीडेवलपमेंट के दौरान यात्रियों पर कम से कम असर पड़े। इसके लिए अधिकारी एक व्यापक योजना तैयार करेंगे।उन्होंने कहा कि यात्रियों पर कम से कम असर हो, यह सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के रीडेवलपमेंट का काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसका मतलब है कि जब पहाड़गंज की तरफ काम किया जाएगा, तो अजमेरी गेट की तरफ काम नहीं होगा। इसी तरह जब अजमेरी गेट की तरफ काम होगा तो पहाड़गंज की तरफ काम नहीं होगा। इस तरह जब स्टेशन के एक तरफ कंस्ट्रक्शन चल रहा होगा तो दूसरी ओर सामान्य कामकाज जारी रहेगा।

इससे यह सुनिश्चित होगा कि रीडेवलपमेंट के दौरान स्टेशन चालू रहे। कैबिनेट ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के रीडेवलपमेंट को मंजूरी दे दी है। मंजूर किए गए डिजाइन के अनुसार, स्टेशन में दो अनूठे गुंबद होंगे और चार मंजिलों वाली छत प्लाजा होगी। इससे लगभग 15 एकड़ अतिरिक्त जगह बनेगी।

कैसे होगा कामझा ने कहा, डाइवर्जन प्लान अभी तैयार नहीं हुआ है। लेकिन संभव है कि पहले प्लेटफॉर्म 1 से 5 पर काम हो। इसके बाद फिर 6 से 10 नंबर को लिया जा सकता है और फिर बाकी प्लेटफॉर्म को शामिल किया जाए।

कॉन्ट्रैक्ट टेंडर को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, क्योंकि इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंधों से जुड़ी कई औपचारिकताएं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे की नई दिल्ली स्टेशन पर ट्रेन ऑपरेशन तत्काल बंद करने की कोई योजना नहीं है। रीडेवलपमेंट के बाद भीड़ से बचने के लिए आगमन और प्रस्थान की अलग-अलग व्यवस्था होगी। इस परियोजना पर लगभग 4,700 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।-

ई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रोजाना करीब 5 लाख लोग आते हैं। नए स्टेशन पर ट्रेन सेवाओं के साथ बसें, ऑटो और मेट्रो भी उपलब्ध होंगी।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए पटरियों के ऊपर लगभग 6.5 लाख वर्गफुट का रूफ प्लाजा बनाया जाएगा।

इस स्टेशन का रीडेवलपमेंट चरणबद्ध तरीके से किया जाना है, जिसमें साढ़े तीन साल तक का समय लग सकता है। भारतीय रेलवे के पास स्टेशन के निकट जमीन है, जिसका इस्तेमाल रेलवे कर्मियों के कार्यालय के लिए किया जा रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साइट पर नई कार्यालय सुविधाओं का निर्माण करना शामिल है। इसके लिए मौजूदा कार्यालयों को गिराया कर दिया जाएगा।

महारागनी की पहली झलक में वंडर वुमन बनीं काजोल

समाचार गेट/भावना कोशिश

नई दिल्ली । काजोल और प्रभु देवा की फिल्म महारागनीः क्वीन ऑफ क्वीन की पहली झलक सामने आई है, जिसमें काजोल ने धमाके भरी एंट्री मारी है और वहीं प्रभुदेवा भी अपने खूंखार अंदाज से दर्शकों में खौफ जगाते दिख रहे हैं। फिल्म की झलक सामने आते ही लोग इसे लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं और काजोल की जबरदस्त एिक्टंग की तारीफें कर रहे हैं।

काजोल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर महारागनीः क्वीन ऑफ क्वींस की पहली झलक शेयर की है और कैप्शन में लिखा है, इसलिए इसे आप लोगों के साथ शेयर करने को लेकर उत्साहित हूं। महारागनी यानी रानियों की रानी। जरा ठहरिए और आप भी इसका मजा लीजिए, उम्मीद है कि आप लोगों को ये पसंद आएगा। तेज उप्पलपति द्वारा निर्देशित। इस झलक को देखकर लोग जमकर तारीफें कर रहे हैं। लोगों ने कहा है- अब इस फिल्म के लिए इंतजार करना मुश्कि ल हो रहा। कुछ लोगों ने काजोल की तारीफ करते हुए - वंडर वुमन पावर लिखा है। काफी लोगों ने इसे ब्लॉकबस्टर मूवी करार दे दिया है।

अंत में होती है काजोल की धांसू एंट्री इस फिल्म महारागनीः क्वीन ऑफ क्वींस की शुरुआत होती है प्रभु देवा से। इसी के बाद संयुक्ता मेनन कार स्टंट सीन के दिखती हैं। वहीं फिल्म के इस वीडियो में नसीरुद्दीन शाह की झलक भी है। इसके बाद अंत में होती है काजोल की धांसू एंट्री, जो मां दुर्गा पूजा के जश्न के बीच सामने आती हैं।

काजोल दुर्गा अवतार में दुश्मनों का संहार करती दिख रही हैं। इस दौरान काजोल का डायलॉग कुछ ऐसा है जिसमें वह कहती है, मां सरस्वती का ज्ञान, मां लक्ष्मी की समृद्धि, मां दुर्गा का दम, इतना सब कुछ होने के बाद भी डरना पड़े...फुल टू देसी।

आली रे आली महारागनी आली

काजोल की इस फिल्म का ये वीडियो अजय देवगन ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है और लिखा है, आली रे आली महारागनी आली।

5 भाषाओं में रिलीज होगी ये फिल्म बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स की एक्शन फिल्म है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता और आदित्य सील भी नजर आ रहे हैं। इस पैन इंडिया फिल्म को मेकर्स हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज करेंगे।

कचरा उठातीं मलाइका अरोड़ा का वीडियो वायरल तारीफों के पुल बंधे

समाचार गेट/एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा पर्दे पर ना सही, लेकिन पर्सनल लाइफ के कारण अक्सर सुर्खि यों में रहती हैं। जिम जाते हुए उनके वीडियो तो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं। कभी उनकी चाल की चर्चा होने लगती है तो कभी कपड़ों की। पर इस बार फैंस उनकी वाहवाही करते नहीं थक रहे हैं। आखिर ऐसा क्या हो गया, जो एक्ट्रेस की तारीफों के पुल बंधने लगे, आइये आपको बताते हैं।

मलाइका अरोड़ा हमेशा की तरह अपने जिम जा रही थीं। तभी उन्हें गेट पर कूड़ा-कचरा पड़ा दिखा। पहले तो उन्होंने उसे पैर से हटाने की कोशिश की, लेकिन फिर एक-एक कर सारे रैपर्स (कचरे) को उठाया और अंदर ले जाकर डस्टबिन में फेंक दिया। उनका ये अंदाज सभी को पसंद आ रहा है।

फैंस ने जमकर की तारीफ

50 साल की मलाइका की तारीफ में एक फैन ने कहा, इस टाइप की चीजों को उन्हें प्रमोट करना चाहिए। दूसरे ने लिखा, यहां इसने दिल जीत लिया। हालांकि, कई यूजर्स को ये सिर्फ दिखावा लग रहा है। एक ने लिखा, कैमरे के सामने हर कोई अच्छा बनता है।

मलाइका की पर्सनल लाइफ लाइमलाइट में रहती है। 1998 में अरबाज खान से शादी करने और फिर 2017 में तलाक लेने के बाद मलाइका, अर्जुन कपूर संग रिलेशनशिप में आईं। अरबाज और मलाइका मिलकर बेटे अरहान की को-पैरेंटिंग करते हैं, लेकिन दोनों की राहें अलग हैं। अरबाज ने जहां शूरा खान से शादी कर ली, वहीं मलाइका और अर्जुन के ब्रेकअप की अफवाह भी उड़ी। फिलहाल दोनों 2016 से रिश्ते में हैं।

इस फिल्म और शो में आई थीं नजरवर्क फ्रंट की बात करें तो मलाइका को खो गए हम कहां में कैमियो रोल में देखा गया था। वो वेब सीरीज फैबुलस लाइफ ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में भी नजर आ चुकी हैं। फिलहाल वो सोशल मीडिया पर एिक्टव रहती हैं और बीते दिनों बाली वेकेशन की फोटोज शेयर की थीं।

झूठ और फरेब में लिपटी है नेहा शर्मा और पूरब कोहली की नई वेब सीरीज

समाचार गेट/एजेंसी

ओ टी टी पर नए शोज और सीरीज की दुनिया में एक नया परिवर्तन आया है। यदि आपने गौर किया हो, तो पाएंगे कि अचानक क्राइम-थ्रलिर वेब सीरीज की संख्या बढ़ने लगी है। जाहिर तौर पर ऐसा इसलिए भी है कि दर्शकों की इसमें दिलचस्पी है। इसी कड़ी में एक नई वेब सीरीज आ रही है, नाम 36 डेज है। खूबसूरत नेहा शर्मा, दमदार पूरब कोहली, अमृता खानविलकर और शारिब हाशमी जैसे सितारों से इस सीरीज का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया है और यह दिलचस्पी बढ़ाने वाला है।

करीब डेढ़ मिनट के इस ट्रेलर की शुरुआत नेहा शर्मा से होती है। पता चलता है कि मोहल्ले में नई पड़ोसी आई है। अब मर्दों का दिल धड़कने लगता है। दोस्ती बढ़ाने की कोशशि होने लगती है। लेकिन इसी बीच यह भी महसूस होता है कि जो वो दिख रही है, वो नहीं है। या फिर, वो कुछ और ही है। इसके बाद फरेब, धोखा, खून और आपसी रंजिश का खेल शुरू हो जाता है। जाहिर तौर पर पूरी कहानी क्या है, यह देखने के लिए सीरीज की रिलीज का इंतजार करना होगा।कब और कहां देख सकेंगे वेब सीरीज 36 डेज 36 डेज वेब सीरीज ह्रञ्ज प्लेटफॉर्म स्थ्ठ्ठ4 ख्द्धङ्क पर स्ट्रीम की जाएगी। हालांकि, अभी इसके रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है। मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज करते हुए यूट्यूब पर कैप्शन में लिखा है, हर कहानी के तीन पहलू होते है- एक आप क्या सोचते हैं, दूसरा मैं क्या सोचता हूं और तीसरा कि सच क्या है। लेकिन क्या हो, अगर सच कहीं दूर दीवारों के पीछे छुपा बैठा हो। 36 डेज की कास्टवेब सीरीज में नेहा शर्मा, पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, शारिब हाशमी और अमृता खानविलकर के साथ सुशांत दिविगकर भी हैं। फिलहाल, आप भी ट्रेलर का आनंद लीजिए। रिलीज डेट के सामने आते ही हम आपको उसके बारे में भी जानकारी देंगे।

48 साल बाद फिर सिनेमाघरों में आ रही है वो शानदार फिल्म

समाचार गेट/एजेंसी

48 साल पहले 1976 में रिलीज हुई फिल्म को लेकर बताया जाता है कि इसे गुजरात के 5 लाख किसानों ने मिलकर फाइनैंस किया था। उन सभी किसानों ने 2-2 रुपये डोनेट किए थे, जिसे कान्स में क्लासिक फिल्मों की कैटिगरी में 17 मई को दिखाया गया।

1 और 2 जून को देश के 38 सिनेमाघरों में हो रही री-रिलीज़ फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल की फिल्म मंथन के वर्ल्ड प्रीमियर की शानदार सफलता के बाद अब इसे दोबारा सिनेमाघरों में लाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। ये फिल्म 1 और 2 जून को देश के 38 सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है जिसमें मुंबई, दिल्ली, राजकोट, चेन्नई, हैरदाबाद, कोच्चि, जयपुर और चंडीगढ़ के सिनेमा हॉल शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इसके लिए फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन और गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्के टिंग फेडरेशन लिमिटेड ने पीवीआर-आईनॉक्स लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। 5 लाख किसानों ने मिलकर किया था प्रड्यूसबताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए बुकिंग आज मंगलवार से थिएटर में शुरू हो गई है जिसे बड़ी स्क्रीन पर प्रड्यूस किया है 5 लाख किसानों ने। बताया जाता है कि ये फिल्म मंथन श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन की डेयरी को-ऑपरेटिव आंदोलन पर बेस्ट काल्पनिक वर्जन फिल्म है, जिसकी वजह से दूध की कमी वाला देश भारत दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश में बदल गया। इसे भारत का पहला क्राउडफंडेड आंदोलन भी कहा जाता है।

इस फिल्म में कौन-कौन हैं कलाकारइस फिल्म के कलाकारों की बात करें तो इसमें गिरीश कर्नाड, नसीरुद्दीन शाह, स्मिता पाटिल, डॉ. मोहन अगाशे, कुलभूषण खरबंदा, अनंत नाग और आभा धूलिया जैसे कई दिग्गज और पुराने कलाकार थे।

वहीं इस फिल्म की शूटिंग मशहूर सिनेमैटोग्राफर और निर्देशक गोविंद निहलानी ने की थी ।

रोमानिया से सामने आई आसिम रियाज,बॉडी बनाते दिखे करण

समाचार गेट/एजेंसी

खतरो के खिलाड़ी सीजन 14 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सभी खिलाड़ी रोमानिया रवाना हो चुके हैं। रोहित शेट्टी भी वहां पहुंच चुके हैं। सभी को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था। हालांकि आसिम रियाज नजर नहीं आए थे। मगर रोमानिया से जो झलिकयां देखने को मिल रही है, उसमें वह अलग अंदाज में दिखाई दिए। स्टंट के पहले अब वहां पहुंकर कंटेस्टेंट्स ने अपने-अपने वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। जो अब वायरल हो रहे हैं।शूटिंग शुरू होने से पहले खिलाड़ी अभी रोमानिया में मौज मस्ती कर रहे हैं। अभिषेक कुमार ने अपने व्लॉग में होटल में अपना रूम दिखाया है। वहीं, निमृत कौर अहलूवालिया ने भी अदिति शर्मा, आशीष मेहरोत्रा, कृष्णा श्रॉफ समेत अन्य के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। वहीं लेटेस्ट पोस्ट शालीन भनोट और करणवीर शर्मा ने किया है।

शालीन भनोट ने शेयर किया वीडियोशालीन भनोट बस में बैठे हैं। वहीं, उनके साथ बगलवाली सीट में अभिषेक नजर आ रहे हैं। आगे वाली सीट पर कृष्णा श्रॉफ हैं। और आसिम रियाज खड़े हैं। ये सभी कुछ बात कर रहे हैं। लेकिन बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण उनकी आवाज दब गई है। इसके साथ कैप्शन लिखा, इस शानदार सुबह में हंसी से बेहतर कुछ भी नहीं।

करणवीर शर्मा के साथ अभिषेक कुमारवहीं, करणवीर शर्मा ने भी तीन-चार पोस्ट किया है। इंस्टाग्राम स्टोरी में तीन फोटोज शेयर की हैं। एक में वह अभिषेक कुमार के साथ अपने बाइसेप्स फ्लॉन्ट करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में अदिति शर्मा भी इन दोनों के साथ अपने एब्स दिखा रह हैं। वहीं, अभिषेक शर्टलेस दिखाई दे रहे हैं।

तीसरी तस्वीर में अभिषेक और करण बॉडी दिखा रहे हैं तो कृष्णा श्रॉफ को-कंटेस्टेंट को किस कर रही हैं।

शरीर को मिट्टी में मिला देगी इस विटामिन की कमी

समाचार गेट/एजेंसी

एक विटामिन ऐसा भी है जो बी12 से 8 गुना ताकतवर है। इसे लेने के बाद आपको बी12 अलग से लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका नाम बी-कॉम्प्लेक्स है, जिसमें विटामिन बी के आठों टाइप आते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर रोबिन शर्मा के मुताबिक इसे कैप्सूल की जगह डाइट से लेना चाहिए।

विटामिन बी6, बी9 और बी12 हमारे मूड को रेगुलेट करने में मदद करते हैं। इसकी कमी के चलते डिप्रेशन और एंग्जायटी होने का खतरा बढ़ जाता है।

डिप्रेशन, एंग्जायटी जैसे मेंटल डिसऑर्डर पूरे शरीर की बैंड बजा सकते हैंविटामिन बी9 की कमी महिलाओं में इनिफर्टिलटी के लिए ज्यादा जिम्मेदार मानी जाती है।

अगर कोई महिला कंसीव करने का प्लान कर रही है

तो उसे कुछ सप्ताह पहले ही बी9 यानी फोलेट का सेवन शुरू कर देना चाहिए।

तेज नजर का उपायआजकल आंखों पर प्रेशर काफी बढ़ गया है।

छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल पर लगे रहते हैं। इसकी वजह से बचपन से ही मोटे-मोटे चश्मे चढ़ जाते हैं।

इसे सही रखने के लिए विटामिन बी कॉम्प्लेक्स लें। विटामिन बी2 और बी3 हमारी आंखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

विटामिन बी कॉम्प्लेक्स फूड्सडॉ. के मुताबिक कैप्सूल की जगह दालें, अनाज, हरी पत्तेदार सिब्जयां, अंडे, दूध और उससे बनी चीजें, ड्राई फ्रूट, ताजा फल, सिब्जयां, नारियल पानी, खजूर जैसी चीजें खाएं।

स्टाइल के मामले में टी.वी की ये हसीना है सब पर भारी

समाचार गेट/एजेंसी

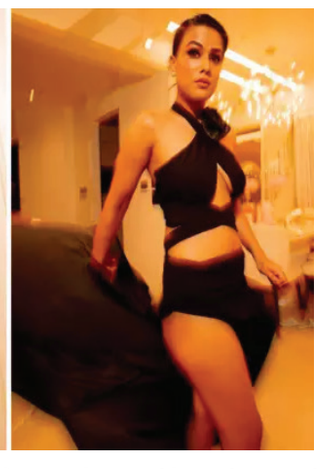

नई दिल्ली । बॉलीवुड की बेस्ट फ्रेंड दिशा पाटनी और मौनी रॉय अपने कातिलाना लुक्स के चलते आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। उनकी गिनती बी-टाउन की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में होती है और ऐसे में उनकी तस्वीरें सामने आते ही वायरल हो जाती हैं। लेकिन, टी.वी की एक हसीना ऐसी है, जिसका हुस्न इन पर भी भारी पड़ जाता है।

दरअसल, यहां हम निया शर्मा की बात कर रहे हैं, जो कई टीवी शोज का हिस्सा रही हैं और अपने कातिलाना लुक्स के लिए जानी जाती हैं। निया अब जल्द ही अपना नया शो सुहागन चुड़ैल लेकर आ रही हैं। जिसके प्रोमो को देखने के बाद ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए। ऐसे में चिलए टीवी की सबसे स्टाइलिश बहु के लुक्स पर नजर डालते हैं।

ब्लैक ड्रेस में ढाया कहर

33 साल की निया सोशल मीडिया पर काफी एिक्टव रहती हैं और अपने किलर लुक्स से फैंस के दिलों को घायल कर देती हैं। अब इन तस्वीरों में ही देख लीजिए निया ब्लैक ड्रेस में कहर ढा रही हैं। एक ओर वह थाई-हाई स्लिट कटआउट ड्रेस पहने हुए है। जिसे बैकलेस बनाया गया है। वहीं, ऑफ शोल्डर मिनी ड्रेस में चश्मे के साथ वह किलर पोज दे रही हैं।कातिलाना है ये अंदाजयहां भी निया ने ब्लैक थाई-हाई स्लिट ड्रेस पहनी है। जिसके नेकलाइन को हॉल्टर रखा गया है और गले पर एक फूल के साथ पीछे इसकी नॉट बांधी गई है। निया ने साइड पार्टीशन के साथ स्लीक बन बनाया है और हाई हील्स के साथ लुक कंप्लीट किया।जींस को इस तरह करती हैं स्टाइलनिया जींस को अलग-अलग तरह के टॉप के साथ स्टाइल करती हैं। उनका यह ऑल वाइट लुक काफी कातिलाना है। उन्होंने वाइट ट्यूब टॉप के साथ वाइट पेंट्स स्टाइल की है। साथ ही खुले बालों के साथ लेयरिंग वाली सिल्वर चेन पहनी है। वहीं, ब्लैक बॉडीसूट के साथ ब्लैक जींस का कॉम्बिनेशन भी कमाल का है, तो ट्यूब टॉप के साथ डेनिम भी जच रही है। जिसमें उनकी वेस्ट चेन के साथ परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट हो रहा है।शॉर्ट्स में लगती हैं कमालनिया को अक्सर शॉर्ट्स पहने हुए भी देखा जाता है। यहां उन्होंने वाइट कलर के ब्रालेट स्टाइल टॉप के साथ ब्लैक शॉर्ट्स पेयर की है और रेड बैग कैरी किया है। वहीं, दूसरी ओर वाइट बॉडी सूट के साथ ब्लू डेनिम शॉर्ट्स पहने है। दोनों ही लुक में निया की बोल्डनेस देखते ही बनती है।निया की हर अदा है जुदानिया अपने हर लुक में अपनी किलर अदाओं से फैंस का दिल जीत लेती हैं। यहां वह एक डार्क और लाइट, दोनों शेड के पिंक कलर की ड्रेस में हसीन लग रही हैं। एक ड्रेस में थाई-हाई स्लिट के साथ वह चश्मा लगाकर पोज दे रही हैं, तो दूसरी बैकलेस के साथ उन्होंने ब्राइट पिंक हील्स कैरी की है। दोनों ही लुक एक दूसरे से अलग हैं और उन्होंने शानदार तरीके से उन्हें स्टाइल किया है।में 38 इकाई थी।

आगे तो जाह्नवी-अनन्या भी क्या ही लगें

समाचार गेट/एजेंस

बॉलीवुड हसीनाएं अक्सर ही अपने लुक्स को लेकर सुर्खि यों में आ जाती हैं। ऐसे में एक्ट्रेस हर इवेंट में सज-धजकर ही पहुंची थीं। अब हाल ही में अपनी मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज पंचायत के तीसरे सीजन की स्क्रीनिंग रखी थी। जहां सीरीज से जुड़े सभी सितारे पहुंचे, लेकिन प्रधान जी की पत्नी मंजू देवी यानी नीना गुप्ता सारी लाइमलाइट चुरा ले गईं। नीना का अंदाज यहां इतना निराला था कि उनके आगे तो जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे भी फेल ही लगें।

अब कहने को तो 64 साल की नीना की उम्र दादी बनने की है, लेकिन उनका स्टाइल आज भी दीदी वाला ही है। जिसका सबूत वह अक्सर ही अपने स्टाइल से दे देती हैं और इस इवेंट में भी वह वाइट कलर की छोटी-सी शॉर्ट्स में किलर अदाओं से कहर ढा गईं।कैजुअल स्पोर्टी लुक में लगीं कमालअब भले ही नीना की उम्र दिन-ब-दिन बढ़ रही हो, लेकिन वह अपने स्टाइल में कोई कमी नहीं रखती हैं। वह हर तरह के कपड़े पहनती हैं और यंग एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। अब यहां वह सीरीज की पूरी टीम के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। जिसमें उन्होंने वाइट कलर की शर्ट और शॉर्ट्स पहनी है। उन्होंने इस आउटफिट को बड़े ही कैजुअल तरीके से स्टाइल किया है। जिसमें वह कमाल की लग रही हैं।

नीना अपनी सीरीज को देखने के लिए वाइट कलर की शर्ट पहनकर पहुंची थीं। जिसके नीचे उन्होंने शर्ट की लेंथ जितनी ही छोटी-सी शॉर्ट्स पेयर की थी। उनका ये लुक काफी कंफर्टेबल था। जिसे उन्होंने शूज के साथ स्पोर्टी लुक दिया और फिर बाकी एक्सेसरीज से इसमें और जान डाल दी।

मेकअप भी लगा परफेक्ट

अब अगर नीना के मेकअप की बात करें तो उन्होंने इसे ज्यादा बोल्ड नहीं किया था। वह महरून रेड शेड की लिपिस्टक के साथ ब्लश लगाए नजर आईं। वहीं, अपने बालों को उन्होंने स्ट्रेट करके खुला छोड़ा था। ऐसे में उनका सिर से लेकर पैर तक ये पूरा लुक काफी कूल लग रहा था।